RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:68 ता. 08 सितम्बर 2022, गुरूवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उज्जैन के महाकाल मंदिर में रणबीर-आलिया को प्रवेश करने से रोका

नई दिल्ली। 'बीफ' खाने और 'ब्रह्मास्त्र' फिल्म देखने के बारे में बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की कथित टिप्पणियों को लेकर मंगलवार रात बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उन्हें मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकाल मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया। महाकाल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने उक्त घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया गया। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लाठीचार्ज के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने दंपती को मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया।

रणबीर और आलिया के मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते ही बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाने शुरू कर दिए। बजरंग दल के नेता अंकित चौबे ने संवाददाताओं से कहा,''हम उन्हें पवित्र महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने की अनुमति नहीं देंगे क्योंकि कुछ दिन पहले रणबीर ने कहा था कि वह मांसाहारी भोजन में मटन, चिकन और बीफ खाना पसंद करते हैं।''

उन्होंने दावा किया कि यहां तक आलिया ने कहा था कि जो लोग उनकी फिल्म ब्रह्मास्त्र देखना चाहते हैं, उन्हें देखना चाहिए और नहीं देखना चाहते हैं, वे ना देखें। हालांकि, मंदिर के पुजारी आशीष ने बताया कि विरोध के बीच फिल्म के निर्देशक अयान मुखर्जी ने महाकाल के दर्शन किए। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत उन्होंने कार्रवाई की है।

भारत-जापान में 2+2 डायलॉग

रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री 7-10 सितंबर तक जापान दौरे पर, चीन के रवैये पर भी हो सकती है बात

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर तीन दिन के दौरे पर जापान जाएंगे। दोनों 7 से 10 सितंबर के बीत जापान में रहेंगे। यहां वे रक्षा मंत्री यासुकाजु हमादा और विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी से बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान दोनों पक्ष द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने के नए तरीके तलाशेंगे।

इन मसलों पर चर्चा की उम्मीद

इस दौरान दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर भी चर्चा कर सकते हैं। दरअसल, हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता बढ़ रही है। हाल ही में चीन ने ताइवान के नज़दीक अभूतपूर्व भड़काऊ सैन्य अभ्यास किया था। ऐसे में दोनों देश चीन को सबक सिखाने के तरीकों पर भी विचार कर सकते हैं।

किशिदा ने भारत में 3,20,000 करोड़ के निवेश की बात कही

इससे पहले जापान के पीएम फुमियो किशिदा भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत के दौरे पर आए थे। शिखर सम्मेलन में किशिदा ने भारत में अगले पांच साल तक 3,20,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की बात कही थी।

2019 में हुआ था पहला टू प्लस टू संवाद

भारत-जापान ने 2018 में दोनों देशों के बीच 2 + 2 संवाद आयोजित करने का फैसला लिया था। यह फैसला भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने जापान के टोक्यो में 13वीं भारत-जापान वार्षिक शिखर बैठक में लिया गया था। वहीं, दोनों देशों के बीच विदेश और रक्षा मंत्री संवाद का आयोजन पहली बार 30 नवंबर 2019 को नई दिल्ली में किया गया था।

इन देशों संग टू प्लस टू संवाद

भारत ने जापान के साथ 2019 में टू प्लस टू संवाद की शुरुआत की थी। फिलहाल भारत कुछ गिने चुने देशों के साथ ही टू प्लस टू संवाद आयोजित करता है, जिसमें अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और रूस शामिल हैं।

अप्रैल में हुई थी भारत-अमेरिका की 2+2 वार्ता

इससे पहले अप्रैल 2022 में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर 2+2 वार्ता के लिए 5 दिनों के अमेरिका दौरे पर गए थे। दोनों मंत्रियों ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से अलग अलग मुलाकात की। इस दौरान रक्षा सहयोग के साथ कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

इसी बीच विदेश मंत्री जयशंकर से भारत की रूस से तेल खरीद पर सवाल किया गया। जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत रूस से जितना तेल महीने भर में नहीं खरीदता, उससे अधिक तेल यूरोप रूस से एक दोपहर में खरीद लेता है।

उन्होंने कहा- यदि आप रूस से भारत की ऊर्जा खरीद पर बात करना चाहते हैं तो मेरा सुझाव है कि आपको यूरोप पर ध्यान देना चाहिए। हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए जरूरी ऊर्जा को थोड़ी मात्रा में वहां से आयात करते हैं। लेकिन आप आंकड़ों को देखिए, हम जितना एक महीने में रूस से तेल नहीं खरीदते, उससे कहीं अधिक तेल यूरोप एक दोपहर में खरीदता है। पढ़ें पूरी खबर...

राजनाथ सिंह डिफेंस पार्टनरशिप मजबूत करने पर बात की

इसके पहले राजनाथ सिंह ने वॉशिंगटन में लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने इंडो-पैसिफिक रीजन में सहयोग बढ़ाने और डिफेंस पार्टनरशिप को मजबूत करने पर चर्चा की। ऑस्टिन ने चीन की तरफ से हिंद प्रशांत महासागर में की जा रही दखलअंदाजी को लेकर भी भारत को पूरी मदद का भरोसा दिया।

बिहार में शराब कारोबारी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

फायरिंग में सिपाही की मौत

सीवान। बिहार के सीवान जिले में शराब कारोबारी को पकड़ने गई पुलिस पर अपराधियों ने हमला कर दिया। गोलीबारी में एक सिपाही की मौत हो गई। यह मामला सिसवन थाना इलाके के ग्यासपुर गांव का है। गोली लगने से एक ग्रामीण भी जख्मी हुआ है। उसका सीवान के सदर अस्पताल में इलाज चल चल रहा है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम मंगलवार रात को सिसवन के ग्यासपुर गांव में एक शराब धंधेबाज को पकड़ने पहुंची। पुलिसकर्मी वापस लौट रहे थे, तभी सड़क पर खड़े तीन अपराधियों ने उनपर गोलियां चलाना शुरू कर दिया। यह घटना रात करीब ढाई बजे की है। गोली लगने से पुलिस सिपाही बाल्मिकी यादव की मौत हो गई। वहीं, मौके पर मौजूद एक ग्रामीण भी गोली लगने से घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम मंगलवार रात को सिसवन के ग्यासपुर गांव में एक शराब धंधेबाज को पकड़ने पहुंची।

जाम हटाने गई पुलिस पर भीड़ ने किया हमला, पुलिस पर जबरन गिरफ्तारी का आरोप

बता दें कि एक दिन पहले वैशाली जिले में भी बालू माफिया ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। अपराधियों ने दरोगा को चलती गाड़ी से नीचे फेंक दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। साथ ही एसडीपीओ को गाड़ी से रौंदने की कोशिश भी की गई। हमले के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए थे।

आपका पूरा सहयोग करेंगे, पीएम मोदी के ऐलान को 'बहुत अच्छा' एके ने लिखा लेटर; डिमांड भी रखी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने पीएम मोदी की ओर से 14500 स्कूलों को मॉडल स्कूल के तौर पर विकसित किए जाने के ऐलान को अच्छा बताते हुए देश के सभी स्कूलों को अपग्रेड करने की मांग की है। केजरीवाल ने ट्विटर पर इस खत को साझा करते हुए लिखा, 'प्रधानमंत्री जी को मेरा पत्र। उन्होंने 14,500 स्कूलों को अपग्रेड करने का ऐलान किया, बहुत अच्छा। लेकिन देश में 10 लाख सरकारी स्कूल हैं। इस तरह तो सारे स्कूल ठीक करने में सौ साल से ज्यादा लग जाएंगे। आपसे अनुरोध है कि सभी दस लाख स्कूलों को एक साथ ठीक करने का प्लान बनाया जाए।' एक दिन पहले भी पीएम मोदी के फैसले की तारीफ कर चुके अरविंद केजरीवाल ने लेटर मे लिखा, मुझे मीडिया से पता चला है कि केंद्र सरकार ने देशभर में 14500 स्कूलों को अपग्रेड करने की योजना बनाई है। यह बहुत अच्छी बात है। पूरे देश में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। उनको अपग्रेड और आधुनिक बनाने की बहुत जरूरत है। केजरीवाल ने आगे लिखा, देशभर में रोज 27 करोड़ बच्चे स्कूल जाते हैं। इनमें लगभग 18 करोड़ बच्चे सरकारी स्कूलों में जाते हैं। 80त्न से ज्यादा सरकारी स्कूलों की हालत किसी कबाड़खाने से भी ज्यादा खराब है। अगर करोड़ों बच्चों को हम ऐसी शिक्षा दे रहे हैं तो सोचिए भारत कैसे विकसित देश बनेगा?

आजादी के बाद हुई गलती- केजरीवाल

आजादी के बाद 75 सालों में शिक्षा पर सही ध्यान नहीं दिए जाने की बात कहते हुए केजरीवाल ने लिखा, %%1947 में हमसे बहुत बड़ी गलती हुई। देश आजाद होते ही सबसे पहले हमें भारत के हर गांव और हर मोहल्ले में शानदार सरकारी स्कूल खोलने चाहिए थे। कोई भी मुल्क अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिए बिना तरक्की नहीं कर सकता। 1947 में हमने ऐसा नहीं किया। ज्यादा दुख की बात यह है कि अगले 75 साल भी हमने अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने पर ध्या नहीं दिया। क्या भारत अब और वक्त बर्बाद कर सकता है?

'ऐलान अच्छा पर, काफी नहीं'

केजरीवाल ने एक तरफ पीएम मोदी के ऐलान को अच्छा बताया तो यह भी कहा कि इतना करना ही काफी नहीं है। उन्होंने लिखा, आपने केवल 14500 सरकारी स्कूलों को ठीक करने की योजना बनाई है।

कोयला घोटाले मामले पर सीबीआई की बड़ी छापेमारी

मंत्री मलय घटक के 3 आवासों समेत 7 जगहों पर चल रहा तलाशी अभियान

आसनसोल स्थित तीन आवासों समेत राज्य में सात जगहों पर सीबीआइ की छापेमारी हो रही है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार सीबीआई बुधवार सुबह कानून मंत्री और टीएमसी नेता मलय घटक के आसनसोल स्थित आवास पर पहुंच गई।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के आसनसोल जिले में सीबीआई ने कोयला घोटाला मामले पर छापेमारी कर रही है। सीबीआई की यह छापेमारी ममता सरकार में कानून मंत्री और टीएमसी नेता मलय घटक के आवास पर की जा रही है। आसनसोल स्थित तीन आवासों समेत राज्य में सात जगहों पर सीबीआइ की छापेमारी हो रही है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार सीबीआई बुधवार सुबह कानून मंत्री और टीएमसी नेता मलय घटक के आसनसोल स्थित आवास पर पहुंच गई। कोयला घोटाले से जुड़े तथ्यों पर जांच एजेंसी से जुड़े अधिकारी उनके आवास पर छानबीन करने में लगे हुएं हैं। इस दौरान उनके आवास के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी तैनात है।

मोटापे से परेशान लोगों के लिए खुशखबरी- मोटापा कम करने वाला एल्यूरियन कैप्सूल लॉन्च

नयी दिल्ली,- मोटापा दूर करने में समर्पित कंपनी एल्यूरियन ने एक ऐसा कैप्सूल लॉन्च किया है जो चार महीने में 10 से 15 प्रतिशत तक वजन घटा देता है।

एल्यूरियन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शांतनु गौर ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि इस कैप्सूल को निगलने के बाद हेल्थकेयर प्रोफेशनल उसमें पहले से लगे कैथेटर से 550 मिलीलीटर तरल पदार्थ के साथ इसे फुला देते हैं। इस प्रक्रिया में किसी तरह की सर्जरी, एंडोस्कोपी या एनेस्थेसिया की जरूरत नहीं होती। प्रक्रिया पूरी कर लेने के बाद यह देखने के लिए एक एक्सरा किया जाता है कि बैलून सही स्थिति में है या नहीं। पूरी प्रक्रिया 15 मिनट में पूरी कर ली जाती है।

प्लेसमेंट के बाद यह बैलून पेट भरा होने का अहसास दिलाता है और भोजन की इच्छा को कम करता है। यह भूख के अहसास को कम करता है और करीब चार महीने बाद स्वतः सिकुड़ जाता है और मल के साथ शरीर से बाहर निकल जाता है।

उन्होंने बताया कि यह कैप्सूल केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से अनुमोदित है। मोटापा और वजन घटाने में कारगर यह

कैप्सूल मधुमेह, बांझपन और हृदय रोग के उपचार में भी मददगार हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में मोटापे से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं और मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग आदि को नियंत्रित करने में यह सहायक हो सकता है।

एल्यूरियन के संस्थापक भागीदार एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राम चुट्टानी ने इस अवसर कहा कि अध्ययनों से एल्यूरियन प्रोग्राम के प्रभाव और सुरक्षा की पुष्टि हुई है। रोगियों को लगभग 16 हफ्तों में शरीर के वजन को औसतन 10 से 15 प्रतिशत कम करने में मदद मिली है। डॉ गौर ने बताया कि यदि एक कैप्सूल लेने के बाद 10 से 15 प्रतिशत वजन कम हो जाने के बावजूद शरीर का वजन औसत स्तर तक न आये तो एक कैप्सूल और लिया जा सकता है। इससे करीब आठ महीने में शरीर का वजन औसत तक लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस कैप्सूल के इस्तेमाल के बाद शरीर को कम खाने की आदत हो जाती है जिससे भविष्य में वजन से ज्यादा की आशंका बहुत कम रह जाती है।

उन्होंने बताया कि अभी दिल्ली में इसके लिए पांच क्लीनिक पर संबंधित स्टाफ को प्रशिक्षित कर दिया है और जल्द ही दिल्ली समेत अन्य स्थानों पर इसके इस्तेमाल की प्रक्रिया पूरी करने के लिए बड़ी संख्या में क्लीनिकों को चिह्नित करके वहां के स्टाफ को प्रशिक्षित कर दिया जायेगा।

स्कूल बंद, होटल का किराया बढ़कर हुआ 40 हजार रुपये; बेंगलुरु में बारिश से बुरे हाल

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु भारी बारिश का सामना कर रही है। हालांकि, शहर को फिलहाल इससे राहत के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने 9 सितंबर तक बेंगलुरु और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावनाएं जताई हैं। खराब मौसम के चलते कुछ स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया गया है। बुधवार सुबह कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी कई इलाकों का जायजा लिया।

ट्रैक्टर पर चल रहे हैं लोग

लगातार हो रही बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया है। शहर के पॉश इलाकों में घर, गाड़ियां और कॉम्प्लैक्स कई फीट तक डूबे हुए हैं। साथ ही कई हिस्सों को बिजली कटौती, ट्रैफिक जाम जैसी परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। पानी में फंसे शहरवासियों को निकालने के लिए नाव और ट्रैक्टर का सहारा लेना पड़ा।

कर्नाटक के मंत्री उमेश कट्टी का निधन, सीएम बसवराज बोम्मई ने जताया दुख

सीएम बोम्मई के अनुसार, राजधानी के कुछ हिस्सों में 1 और 5 सितंबर के बीच सामान्य से 150 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। वह बुधवार सुबह ईको स्पेस के पास आउटर रिंग रोड में बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ मंत्री सीएन अश्वतनारायण और स्थानीय विधायक आर अशोक भी मौजूद रहे।

खबर है कि मंत्री अश्वतनारायण ढ्ढञ्ज कॉरिडोर में जलजमाव को लेकर बुधवार शाम बैठक करने जा रहे हैं। इससे पहले सीएम बोम्मई शहर के हाल के आरोप कांग्रेस की पिछली सरकार पर लगा चुके हैं। आंकड़े बताते हैं कि 50 सालों में बेंगलुरु इस बार सबसे ज्यादा भीगा है। करीब 162 झीलें पूरी तरह भर चुकी हैं।

भाषा के अनुसार, मंगलवार को बोम्मई ने बताया कि महादेवपुरा, बोम्मनहल्ली और के. आर. पुरम में 307 प्रतिशत ज्यादा वर्षा हुई। उन्होंने कहा, %पिछले 42 साल में हुई यह सबसे ज्यादा बारिश थी। बेंगलुरु के सभी 164 तालाब लबालब भरे हैं।% कई निजी स्कूलों ने अवकाश घोषित कर दिया है और कुछ दिनों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित होंगी, जबकि बहुत से कार्यालयों ने कर्मियों को घर से काम करने की अनुमति दी है।

आसमान छू रहा होटल का किराया

खबरें हैं कि बेंगलुरु के टेक कॉरिडोर में पानी भर जाने से होटल किराया काफी बढ़ गया था। दरअसल, भारी बारिश के चलते घर से दूर हुए परिवार होटलों में कमरे हासिल करने के लिए परेशान होते नजर आए। सामान्य रूप से 10-20 हजार रुपये में मिलने वाले कमरे औसतन 30-40 हजार रुपये पर पहुंच गए थे।

सार समाचार

नोएडा में इंडिया बुल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में आग लगी

नोएडा (उप्र)। नोएडा के सेक्टर 18में स्थित इंडिया बुल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में बुधवार अपराह्न को भयंकर आग लग गई तथा अग्निशमन विभाग एवं पुलिस ने फंसे हुए 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 20 थानाक्षेत्र के सेक्टर 18 मार्केट में स्थित एक वाणिज्यिक भवन के दूसरे तल पर इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस के कार्यालय में शार्ट सर्किट की वजह से बुधवार अपराह्न को आग लग गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद चार दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लग गयीं तथा अंदर फंसे 10 लोगों को हाइड्रोलिक प्लेटफार्म की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। उनके अनुसार पुलिस ने भी इस काम में सहयोग किया। सिंह के मुताबिक फंसे लोगों को निकालने के दौरान धुंए की चपेट में आने से कुछ दमकल कर्मी बेहोश हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है तथा किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।उनके अनुसार इस घटना में लाखों रुपए का सामान जलकर स्वाहा हो गया है। नोएडा के कनॉट प्लेस कहे जाने वाले सेक्टर 18 के बाजार के एक भवन आग लगने से वहां काफी देर तक अफरातफरी जैसा माहौल रहा। जहां पर आग लगी थी उस भवन के आसपास के लोग अपनी सुरक्षा को लेकर काफी देर तक परेशान रहे।

केरल ने केंद्र सरकार से रेबीज रोधी टीके की गुणवत्ता की जांच करने को कहा

तिरुवनंतपुरम। केरल में रेबीज-रोधी टीके की तीन खुराक लेने के बावजूद एक आवारा कुत्ते के काटने से 12 साल की बच्ची की मौत हो जाने के एक दिन बाद राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से टीके की गुणवत्ता जांच करने को कहा। जॉर्ज ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को राज्य में रेबीज-रोधी टीका लगवाने के बावजूद पांच लोगों की मौत हो जाने के बाद लोगों के मन में पैदा हुई आशंका को दूर करने के लिए एक पत्र भेजा था। जॉर्ज ने कहा, केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला टीकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करती है और प्रमाण पत्र देती है। हाल ही में कुत्ते के काटने से मरने वाले पांच व्यक्तियों को टीका लगाया गया था जिसमें केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला का प्रमाण पत्र है। टीके लगवाने के बावजूद, उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि पत्र वैक्सीन और बैच नंबर के विवरण के साथ भेजा गया था। इस बीच, केरल गवर्नमेंट मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन (केजीएमओए) ने बच्ची के इलाज के दौरान अस्पताल के अधिकारियों की ओर से हुई चूक के आरोप को खारिज कर दिया है।

दिल्ली में 1 जनवरी 2023 तक पटाखों की ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी पर रोक

नई दिल्ली । दिवाली और दशहरे से पहले आप सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली में अगले साल 1 जनवरी 2023 तक पटाखों की ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए एक कार्य योजना तैयार होगी। उन्होंने कहा, दिल्ली की जनता को प्रदूषण के खतरे से बचाने के लिए साल 2021 की तरह इस बार भी सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक है, ताकि लोगों की जीवन बचाया जा सकता है। इस बार दिल्ली में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी पर भी रोक रहेगी। यह प्रतिबंध एक जनवरी 2023 तक लागू रहेगा। प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए दिल्ली पुलिस, डीपीसीसी और राजस्व विभाग के साथ मिलकर एक कार्य योजना तैयार की जाएगी। पर्यावरण मंत्री राय ने कहा कि दिल्ली में पटाखों के उत्पादन, बिक्री, भंडारण व इस्तेमाल पर एक जनवरी 2023 तक पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर भी यह प्रतिबंध लागू होता है। राय ने ट्वीट किया, दिल्ली में लोगों को प्रदूषण के खतरे से बचाने के लिए पिछले साल की तरह ही इस बार भी सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जा रहा है, ताकि लोगों की जिंदगी बच सके।' उन्होंने कहा, 'इस बार दिल्ली में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री/डिलीवरी पर भी प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध एक जनवरी 2023 तक लागू रहेगा।

गुजरात : धर्मांतरण मामले की जांच एटीएस को सौंपी गई

बनासकांठा । गुजरात के बनासकांठा जिले में एक परिवार के तीन सदस्यों द्वारा कथित तौर पर इस्लाम धर्म अपनाए जाने की जांच मंगलवार को राज्य के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) को सौंप दी गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एटीएस अधिकारी ने बताया कि राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आशीष भाटिया ने मामले की जांच का जिम्मा बनासकांठा पुलिस से गुजरात एटीएस को सौंप दिया। दो महिलाओं सहित एक परिवार के तीन सदस्यों के कथित धर्म परिवर्तन के विरोध में बनासकांठा जिले के दीसा शहर में शनिवार को कुछ हिंदू संगठनों द्वारा निकाली गई रैली में हजारों लोगों के शामिल होने के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। बाद में परिवार के एक सदस्य ने आत्महत्या का प्रयास किया था। पुलिस पांच में से दो आरोपियों को आत्महत्या के लिए उकसाने और जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार कर चुकी है। 27 अगस्त को बनासकांठा के पालनपुर कस्बे के एक मंदिर में हरेश सोलंकी नामक एक व्यक्ति ने जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की थी। पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में, दीसा के रहने वाले सोलंकी ने दावा किया कि वह दुखी था क्योंकि उसकी पत्नी, बेटे और बेटी को एजाज शेख और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए 'ब्रेनवॉश' किया गया था और वे लोग उससे अलग रहने लगे थे। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने शेख परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, यह आरोप है कि एजाज ने पहले सोलंकी की कॉलेज में पढ़ने वाली बेटी को और फिर उसकी मां और भाई को इस्लाम अपनाने के लिए मना लिया। जब सोलंकी ने इसका विरोध किया तो उसने सोलंकी से 25 लाख रुपये की मांग की।

गैर-आदिवासी पुरुष से जन्मे बच्चों को जारी एसटी प्रमाणपत्र रद्द करेगा अरुणाचल प्रदेश

इटानगर । अरुणाचल प्रदेश सरकार एक समिति द्वारा मामलों की जांच करने के बाद गैर आदिवासी पुरुषों से विवाहित आदिवासी महिला की संतानों को जारी सभी अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाण पत्रों को रद्द करेगी। राज्य सरकार के एक मंत्री ने मंगलवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक लोम्बो तायेंग के सवाल का जवाब देते हुए सामाजिक न्याय, अधिकारिता और आदिवासी मामलों (एसजेईटीए) के मंत्री अलो लिबांग ने कहा कि सरकार ने अरुणाचल प्रदेश अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र निर्गमन दिशानिर्देश एक अगस्त को अधिसूचित किया है, जिसमें अयोग्य व्यक्तियों को जारी एसटी प्रमाण पत्र को जब्त करने या रद्द करने का प्रावधान है। लिबांग ने कहा कि दिशानिर्देश के तहत अगर दस्तावेज जारी करने वाला प्राधिकार इस तथ्य से संतुष्ट होता है कि एसटी प्रमाण पत्र, व्यक्ति द्वारा गलत जानकारी देने या तथ्यों को गलत तरीके से पेश करके प्राप्त किया गया है तो वह उसे जब्त या रद्द कर सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक एसटी प्रमाण पत्र जारी करने के नौ विवादित मामले जांच समिति के समक्ष रखे गए हैं, जिनमें से 5 का निस्तारण कर दिया गया है। गौरतलब है कि एसटी प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर पिछले कुछ समय से राज्य में विवाद चल रहा है और इस मुद्दे को लेकर ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट्स यूनियन (एएपीएसयू) सहित कई संगठन प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में 11 सितंबर तक बारिश की संभावना

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा और गुजरात समेत कई राज्यों में एक बार फिर से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक इन राज्यों में गुरुवार से अच्छी खासी बारिश शुरू हो सकती है और 11 सितंबर तक जारी रहेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि पूर्वी मध्य प्रदेश में 8 सितंबर को अच्छी खासी बारिश एक बार फिर से हो सकती है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के मराठवाड़ा एवं विदर्भ क्षेत्र में भी 11 सितंबर तक बारिश जारी रह सकती है। वहीं गोवा, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और ओडिशा में भी 11 तारीख तक बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारत के राज्यों में भी अगले दो से तीन दिन तक भारी बारिश हो सकती है। बेंगलुरु में पहले ही बाढ़ से बुरा हाल है और लोगों को सड़कों पर नाव और ट्रैक्टर जैसे साधनों से आवागमन करना पड़ रहा है। ऐसे में अब और ज्यादा बारिश शहर में संकट को बढ़ा सकती है। तटीय कर्नाटक के इलाकों में 8 और 9 सितंबर को अच्छी खासी बारिश होने की संभावना है। हालांकि उत्तर भारत के राज्यों की बात करें तो यूपी, हरियाणा, दिल्ली समेत कई राज्यों में अगले कुछ दिन तक बारिश होने का अनुमान नहीं है।

मंत्रिमंडल ने शिक्षा क्षेत्र में सहयोग पर भारत और यूएई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर की मंजूरी दी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच वर्तमान शैक्षणिक सहयोग को और मजबूत करने एवं उसका दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने को बुधवार को मंजूरी दे दी। सरकारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच वर्तमान शैक्षणिक सहयोग को और मजबूत करना एवं उसका दायरा बढ़ाना है।

बयान में कहा गया है कि शिक्षा के क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात के साथ 2015 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे जो 2018 में समाप्त हो गया। वर्ष 2019 में, दोनों देशों के शिक्षा मंत्रियों के बीच एक बैठक में, संयुक्त अरब अमीरात द्वारा एक नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव रखा गया। इसमें कहा गया है कि, ''नये समझौता ज्ञापन में भारत की शिक्षा व्यवस्था में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा लाए गए परिवर्तनों को शामिल किया गया है।''

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य सूचना शिक्षा के आदान-प्रदान, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) के माध्यम से शिक्षण कर्मचारियों की क्षमता विकास को बढ़ावा देना, संयुक्त डिग्री और दोहरी डिग्री कार्यक्रमों की पेशकश के लिए दोनों देशों में उच्च शिक्षा संस्थानों और इसी तरह के अन्य क्षेत्रों के बीच शैक्षणिक सहयोग की सुविधा प्रदान करना है। बयान के अनुसार, यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा और दोनों पक्षों की सहमति से स्वत~ इसका नवीकरण हो जाएगा। यह समझौता ज्ञापन, वर्ष 2015 में संयुक्त अरब अमीरात के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का स्थान लेगा।

राजपथ का बदला गया नाम, नेताजी की प्रतिमा से लेकर राष्ट्रपति भवन तक का मार्ग बना 'कर्तव्य पथ'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने नई दिल्ली में ऐतिहासिक राजपथ और सेंट्रल विस्टा लॉन का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' कर दिया है। नेता जी की प्रतिमा से लेकर राष्ट्रपति भवन तक के पथ का नाम राजपथ नहीं अब कर्तव्य पथ पर होगा। एनडीएमसी की बैठक में इस प्रस्ताव को पास किया गया हैं। अब से राजपथ को कर्तव्य पथा कहा जाएगा। राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' करने के केंद्र सरकार के फैसले पर जनता की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है। उनमें से कुछ ने इस कदम का स्वागत किया और इसे एक 'सकारात्मक बदलाव' करार दिया, कुछ अन्य ने इस विचार से असहमति जताई और कहा कि राजपथ और जनपथ को एक दूसरे को पार करने की अवधारणा अब पहले जैसी नहीं रहेगी। दिल्ली के रहने वाले समीर ने कहा ब्रिटिश काल से सभी प्रमुख स्थानों के नाम वही रहे। इसे पहले ही बदल दिया जाना चाहिए था। यह एक अच्छा कदम है और मैं इसे एक सकारात्मक बदलाव मानता हूं। ऐतिहासिक राजपथ का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' करने के केंद्र सरकार के फैसले ने विपक्षी रैंकों की आलोचना की है। तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य दलों के कई सांसदों ने भाजपा और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की ह। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा से पूछा क्या चल रहा है? क्या बीजेपी ने इतिहास को फिर से लिखने के लिए हमारी संस्कृति, हमारी विरासत को अपने महापाप पागलपन में फिर से करने के लिए इसे अपना एकमात्र कार्तव्य बना लिया है? राजद के मनोज झा ने हिंदी में ट्वीट किया पहले रेसकोर्स रोड बन गया लोक कल्याण मार्ग, अब राजपथ बना कार्तव्य पथ।

नीतीश के दिल्ली दौरे पर भाजपा का हमला,

रविशंकर प्रसाद बोले- अवसरवादी गठबंधन पर देश नहीं करेगा भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर देश की राजनीति लगातार गर्म होती जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने-अपने समीकरणों को साधने की कोशिश में जुटे हुए हैं। कुछ दिन तक भाजपा के साथ गठबंधन कर सरकार में रहने वाले नीतीश कुमार ने पलटी मारते हुए महागठबंधन के साथ फिर से सरकार बना ली। वह महागठबंधन में कांग्रेस और राजद सहित वामदलों का नेतृत्व कर रहे हैं। जबसे नीतीश कुमार विपक्ष के खेमे में गए हैं, तब से इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि वह प्रधानमंत्री पद की रेस में प्रबल दावेदारों में से एक हैं। हालांकि, नीतीश कुमार लगातार इससे इनकार करते नजर आ रहे हैं। इन सबके बीच नीतीश कुमार दिल्ली पहुंचे हैं जहां वह विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। नीतीश की इस कोशिश पर भाजपा ने तंज कसा है।

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने साफ शब्दों में कहा कि देश ''अवसरवादी'' गठबंधनों से आगे निकल चुका है और अब वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत व निर्णायक नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। नीतीश के दिल्ली दौरे को रविशंकर प्रसाद ने राजनीतिक तीर्थ यात्रा करार दिया और आरोप लगाया कि वह उन लोगों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। भाजपा नेता ने तो नीतीश पर हमला जारी रखते हुए यह भी कह दिया कि वह बिहार के मुख्यमंत्री हैं। राज्य बाढ़ और सूखे की चपेट में हैं। इसके अलावा अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लेकिन नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि बिहार के पूर्व कानून मंत्री फरार चल रहे हैं; जबकि राज्य में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह नीतीश कुमार जी के बनाए नए गठबंधन का परिणाम है।

नीतीश ने अपने दो दिवसीय दिल्ली यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, वामपंथी नेताओं सीताराम येचुरी और डी राजा, समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव व उनके पुत्र अखिलेश यादव सहित कई अन्य विपक्षी नेताओं से मुलाकात की थी। आज उनकी मुलाकात शरद पवार से हुए है। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि हम लोगों की एक राय है कि अधिक से अधिक दल एक साथ होकर राज्यों और देश के विकास के लिए काम करेंगे। मैंने यह भी कह दिया है कि सब एकसाथ होकर लड़ेंगे तो देश का विकास होगा क्योंकि ये लोग(भाजपा) तो कुछ काम कर नहीं रहे हैं।

विपक्ष को एक साथ लाना बहुत मुश्किल: शरद यादव

नई दिल्ली । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे और राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ मुलाकात पर आरजेडी (नेता शरद यादव ने कहा है कि विपक्ष के नेताओं को एक साथ लाना बेहद ही मुश्किल काम है, लेकिन कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से मुलाकात हुई थी और इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी हुई। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार से मुलाकात के दौरान चर्चा हुई कि कैसे तमाम विपक्षी दलों को एक साथ लाया जा सके। हालांकि, यह काम बहुत मुश्किल है और चुनौतीपूर्ण है लेकिन फिर कोशिश की जा रही है। शरद यादव ने कहा कि फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि तमाम विपक्षी राजनीतिक दलों से चर्चा शुरू हो अगर एक बार सहमति बन जाती है तो चेहरा तो बाद में भी तय हो जायेगा। नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद शरद यादव ने कहा था कि वर्तमान में विपक्ष के नेता के तौर पर कोई चेहरा नहीं है, लेकिन लगता है कि नीतीश सभी विपक्षी दलों में स्वीकार्य चेहरा हैं। उन्होंने नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि आज देश को जरूरत है कि विपक्ष एकजुट हो और नीतीश कुमार इसी काम करने के लिए निकले हैं। नीतीश कुमार एक मिशन पर हैं और वो सफल भी होंगे। इसके अलावा, उन्होंने ये भी कहा था कि आज के राजनीतिक माहौल को देखते हुए ये जरूरी हो गया है कि सभी विपक्षी एकजुट हो जाएं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर नीतीश कुमार से बड़ा चेहरा कोई नहीं हो सकता है। कभी नीतीश कुमार के पुराने सारथी रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव उनसे मनमुटाव के के चलते साल 2018 में जेडीयू से बगावत कर लोकतांत्रिक जनता दल नाम से अपनी अलग राजनीतिक पार्टी का गठन किया था।

25 को हरियाणा में एक मंच पर दिखाई देंगे विपक्षी दलों दिग्गज

हिसार (एजेंसी)।

जदयू अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव जैसे नेता बीते कुछ दिनों से विपक्षी एकता की कोशिशों में जुटे हुए हैं। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव भी मोदी सरकार को हराने के लिए लगातार दौरे कर रहे हैं। इस बीच हरियाणा में 25 सितबर को विपक्षी नेताओं का जमावड़ा होने वाला है, जिसे 2024 के आम चुनाव के लिए एकता की कोशिश से जोड़ कर देखा जा है। पूर्व डिप्टी पीएम देवीलाल की जयंती पर यह एकता रैली होने जा रही है। हिसार के पास होने वाली इस रैली की तैयारी इंडियन नेशनल लोक दल ने की है। इसमें बिहार के सीएम नीतीश कुमार, टीएमसी की नेता ममता बनर्जी और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मौजूद रहेंगे।

बीते कई सालों में यह पहला मौका होगा, जिसमें देश भर के गैर-भाजपा और गैर-कांग्रेसी नेता एक ही मंच पर होंगे। इनके अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, अकाली नेता प्रकाश सिंह बादल, मुलायम सिंह यादव और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे। इस मौके पर तीसरे मोर्चे को लेकर भी कुछ ऐलान होने की उम्मीद जताई जा रही है। जेडीयू के प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि मंगलवार को नीतीश कुमार और आईएनएलडी के नेता ओमप्रकाश चौटाला की मुलाकात हुई थी, जिसमें इस रैली का फैसला हुआ था। त्यागी ने कहा कि इस रैली में नीतीश, तेजस्वी, अखिलेश यादव, मुलायम सिंह यादव, ममता बनर्जी और फारूक अब्दुल्ला जैसे नेताओं ने आने की बात कही है।

'राहुल की भारत जोड़ो' यात्रा में कन्हैया कुमार के शामिल होने पर उठे सवाल

सीएम सरमा ने पूछा भारत खंडित कहा हुआ, जो राहुल जोड़ने निकले

कन्याकुमारी (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार से अपनी 'भारत जोड़ो' यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं, लेकिन भाजपा ने पूछा है, कि भारत पहले ही जुड़ा हुआ है, तब राहुल क्या जोड़ने निकले हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठ रहा हैं, कि उनकी इस यात्रा में कन्हैया कुमार को क्यों शामिल किया गया है? गौरतलब है कि जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार के कार्यकाल में ही जेएनयू में भारत तेरे टुकड़े होंगे जैसे देशविरोधी नारेबाजी हुई थी और कन्हैया को देशद्रोह मामले में जेल भी हुई थी।

बहरहाल, भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री और अपने पिता स्वर्गीय राजीव गांधी के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रार्थना सभा में शामिल हुए।

बता दें कि राहुल गांधी शाम को कन्याकुमारी के समुद्री तट के निकट जनसभा को संबोधित करके इस यात्रा की औपचारिक शुरुआत करने वाले हैं, हालांकि राहुल गांधी और 118 अन्य 'भारत यात्री' आठ सितंबर की सुबह विधिवत पदयात्रा आरंभ करने वाले हैं। राहुल गांधी की पदयात्रा 11 सितंबर को केरल पहुंचेगी और अगले 18 दिनों तक राज्य से होते हुए 30 सितंबर को कर्नाटक पहुंचेगी। यात्रा कर्नाटक में 21 दिनों तक चलेगी और उसके बाद उत्तर की तरफ अन्य राज्यों में जाएगी।

दूसरी ओर, कन्याकुमारी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ''भारत जोड़ो यात्रा'' की भव्य तैयारियां की हैं। शहर भर में कई स्थानों में पोस्टर लगे हैं, जिसमें तमिल भाषा में ''राहुल गांधी आपका स्वागत है'' और ''भारत जोड़ो यात्रा'' लिखा है।

इस बीच, कांग्रेस नेता दावा कर रहे हैं, कि यह यात्रा भारत में एक नई क्रांति लाएगी, वहीं भाजपा ने इस यात्रा पर जोरदार तंज कसा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि भारत खंडित कहां हुआ है, जो राहुल उसे जोड़ने निकले हैं। सरमा ने कहा कि भारत खंडित कांग्रेस के टाइम ही हुआ था जब पाकिस्तान बना था, इसकारण राहुल को पाकिस्तान से अपनी यात्रा शुरू करनी चाहिए।

गिद्धों की घटती संख्या के चलते अंतिम संस्कार का तरीका बदलने को मजबूर हुआ पारसी समुदाय

मुंबई (एजेंसी)।

गिद्धों की घटती आबादी के चलते पारसी समुदाय को शवों के अंतिम संस्कार के तरीकों में भी बदलाव करना पड़ा है। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मंगलवार को उनके अंतिम संस्कार के साथ ही यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया। पारसी समुदाय के लोगों के शवों को 'टावर ऑफ साइलेंस' पर छोड़ने की परंपरा रही है, जहां गिद्ध इन शवों को खा जाते हैं। इसे शव को आकाश में दफनाना भी कहा जाता है। लेकिन साल 2015 से पारसी समुदाय के बीच अंतिम संस्कार के तरीके में बदलाव आया है और मुंबई में इलेक्ट्रिक शवदाह गृह के जरिए अंतिम संस्कार के कई मामले सामने आए हैं। पारसी धर्म की तय रस्मों को पूरा करने के बाद पार्थिक शरीर को इलेक्ट्रिक मशीन के हवाले कर दिया जाता है और मिस्त्री के मामले में भी यही देखा गया। मिस्त्री के पार्थिव शरीर को एक दशक पहले पारसी समुदाय द्वारा बनाए गए होटल के सामने स्थित शवदाह गृह ले जाया गया। यहां परिवार के एक पुजारी ने रस्मों का निर्वाह करने के बाद शव को इलेक्ट्रिक मशीन के हवाले कर दिया। इस रूढ़िवादी समुदाय के कुछ लोगों ने शवों को खाने वाले गिद्धों की आबादी में गिरावट के कारण बीते एक दशक में शवदाह गृह बनाने का फैसला किया और मिस्त्री जैसे कई प्रगतिशील परिवारों ने अपने सदस्यों के अंतिम संस्कार के लिए नए तरीके को अपनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में गिद्धों की आबादी 1980 के दशक में 4 करोड़ थी, जो 2017 तक घटकर मात्र 19,000 रह गई। इसके चलते पारसी समुदाय के बीच अंतिम संस्कार का तरीका बदला है। सरकार ने गिद्धों की आबादी में गिरावट को रोकने के लिए राष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण कार्य योजना 2020-25 के माध्यम से एक पहल शुरू की है, जिसमें कुछ सफलताएं मिली हैं। गिद्धों की आबादी में गिरावट के लिए मवेशियों के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली सूजन-रोधी दवा 'डाइक्लोफेनाक' के उपयोग को जिम्मेदार ठहराया गया है। दरअसल जिन मवेशियों को यह दवा दी गई, उन मवेशियों को मरने के बाद गिद्धों ने खा लिया, जिससे गिद्धों की आबादी प्रभावित हुई। साल 2006 में इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन तब तक इसका विनाशकारी प्रभाव गिद्धों की आबादी में गिरावट का कारण बन चुका था। गिद्धों की घटती आबादी ने पारसियों के लिए एक विकट चुनौती पेश की है। एक ओर जहां गिद्ध कुछ ही घंटों के भीतर शरीर पर से मांस को साफ कर देते हैं, वहीं कौवे और चील बहुत कम मांस खा पाते हैं, जिसके चलते कई शवों को खत्म होने में महीनों लग जाते हैं और उनसे बदबू फैलती है। पारसी समुदाय के लोगो की संख्या में भी तेजी से गिरावट आ रही है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में केवल 57,264 पारसी थे। सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने समुदाय की आबादी में गिरावट को रोकने के लिए कई उपाय किए हैं, जिसमें 'जियो पारसी' पहल शुरू करना शामिल है। एक हजार साल पहले वर्तमान ईरान में उत्पीड़न से बचकर पारसी भारत के पश्चिमी तट पर पहुंचे थे। उन्हें एक ज्वाला मिली जिसके बारे में कहा जाता है कि वह दक्षिण गुजरात के उदवाडा में एक अग्नि मंदिर में अभी भी जलती है। मिस्त्री कार में सवार होकर उदवाडा से ही लौट रहे थे, जो रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गई। दुर्घटना में जान गंवाने वाले जहांगीर पंडोल के शव को मंगलवार को दक्षिण मुंबई के डूंगरवाड़ी में स्थित 'टॉवर ऑफ साइलेंस' में छोड़ दिया गया, क्योंकि उनके परिवार ने अंतिम संस्कार के लिए पारंपरिक रीति- रिवाज को प्राथमिकता दी थी।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके हुए महसूस

काबुल । अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 रही। ये झटके दोपहर में 1.39 मिनट पर आए।कहा जा रहा है कि इस भूकंप का केंद्र राजधानी काबुल से 179 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व की तरफ था। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 68 किमी नीचे थी। फिलहाल जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। बता दें कि जून से लेकर अब तक अफगानिस्तान में दो बड़े भूकंप आए हैं। जुलाई में पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में कम से कम 31 लोग घायल हो गए थे। ये वहीं इलाका था जहां जून में खतरनाक भूकंप आए थे। इस जलजले में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और बड़े पैमाने पर तबाही मची थी।

विदेशी श्रमिकों के आवास स्थलों के मानकों में सुधार करेगा सिंगापुर

कोविड-19 के दौरान महामारी का केंद्र बने विदेशी श्रमिकों के रहने के डॉर्मेटरी वाले क्षेत्रों को अब एकल नियामक प्रारूप के तहत लाइसेंस दिया जा रहा है। इससे अधिकारियों को उनके संचालन मापदंड को उन्नत करने एवं किसी महामारी के फैलने पर उसका प्रबंधन करने के लिए वहां अतिरिक्त प्रावधान लागू के अधिकार मिल जाएंगे। मंगलवार में मीडिया में आयी खबरों के अनुसार इस बदलाव के बाद विदेशी कर्मी डॉर्मेटरी कानून (फेडा) के तहत लाइसेंसशुदा डॉर्मेटरी की संख्या 53 से बढ़कर 1600 हो जाएंगी। इसके कारण इनके दायरे में कुल 4,39,00 बिस्तर आ जाएंगे जहां अन्य श्रमिकों के साथ भारतीय श्रमिक भी रहते हैं। कार्य बल मंत्रालय (एमओएम) ने मंगलवार को घोषणा की कि अगले साल एक अप्रैल से फेडा के दायरे के तहत उन डॉर्मेटरी को लाया जाएगा जहां सात से लेकर 1000 से नीचे तक बिस्तरे हों। चैनल न्यूज एशिया के अनुसार फिलहाल सभी डॉर्मेटरी को अग्नि सुरक्षा, जीवन परिस्थितयों, स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्य आवश्यकताओं के जैसे विषयों में विभिन्न कानूनों के तहत अलग अलग मानक पूरे करने पड़ते हैं। सिंगापुर में 1000 या उससे अधिक बिस्तर वाले डॉर्मेटरी ही फेडा के तहत लाइसेंसशुदा हैं और उन्हें वहां रहने वालों के लिए जनस्वास्थ्य, सुरक्षा तथा मनोरंजन एवं वाणिज्यिक सुविधाओं की शर्तें पूरी करनी होती है। वर्ष 2020 में इन डॉर्मेटरी में रहने वाले हजारों प्रवासी कोविड-19 से संक्रमित हो गये थे। पिछले साल एमओएम ने घोषणा कि वह फेडा के दायरे का विस्तार करने के लिए उसकी समीक्षा करेगा।

एक राजनयिक ने बताया कि अमेरिका जलवायु संकट से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई भागीदारों के साथ काम करेगा

वाशिंगटन। अमेरिका की एक शीर्ष राजनयिक ने मंगलवार को कहा कि उनका देश जलवायु परिवर्तन संकट के समाधान के लिए पूरे दक्षिण एशिया में अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के प्रति समर्पित है। अमेरिका सरकार की दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों की कार्यवाहक प्रधान उप सहायक विदेश मंत्री एलिजाबेथ होर्स्ट ने यहां पहले क्लाइमेट एक्शन चैंपियंस नेटवर्क सम्मेलन के दौरान यह बात कही। वह इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए नेपाल की संक्षिप्त यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचीं। सम्मेलन में बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका के 100 युवा नेताओं ने उन विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जो जलवायु परिवर्तन के चलते उत्पन्न हो रही हैं। अमेरिकी दूतावास ने अपने फेसबुक पेज में पहले कहा था, '' अपनी इस यात्रा के दौरान होर्स्ट जलवायु परिवर्तन पर हमारी साझेदारी पर बल देंगी तथा वह पहले पहले क्लाइमेट एक्शन चैंपियंस नेटवर्क सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।'' सम्मेलन में होर्स्ट नेजलवायु संकट का तत्काल मिलकर मुकाबला करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, '' जलवायु परिवर्तन समुदायों को नुकसान पहुंचाता है। अमेरिका इस गंभीर संकट का समाधान करने के लिए पूरे दक्षिण एशिया में अपने साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के प्रति समर्पित है।

यूनियन के साथ हुए समझौते से टली जर्मनी में लुफ्थांसा के पायलटों की हड़ताल

लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलटों का प्रतिनिधित्व कर रही एक यूनियन ने जर्मनी की सबसे बड़ी विमानन कंपनी के साथ वेतन को लेकर हुए विवाद पर समझौता होने के बाद मंगलवार को अंतिम समय में दो दिनों की प्रस्तावित हड़ताल वापस ले ली। द वेरिनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने वेतन वृद्धि के मामले में 'गंभीर' पेशकश की मांग हुए बुधवार और बृहस्पतिवार को हड़ताल करने की घोषणा की थी। गौरतलब है कि शुक्रवार को भी पायलटों ने हड़ताल की थी जिसके कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गई थीं और यह सप्ताह भर के भीतर पायलटों की दूसरी हड़ताल होती। जल्दबाजी में मंगलवार को बुलायी गई बैठक में यूनियन ने कहा कि दोनों पक्षों में ''विस्तृत वित्तीय और संगठनात्मक संरचना के मुद्दों'' पर सैद्धांतिक सहमति बनी है, जिसका विवरण आने वाले दिनों में तय किया जाएगा। बातचीत के बाद यूनियन ने हड़ताल वापस ले ली। बातचीत से पहले लुफ्थांसा ने कहा था कि वह दोपहर तक तय करेगी कि आने वाले दिनों में किन उड़ानों को रद्द करना है और हड़ताल का उसकी उड़ान पर बहुत व्यापक प्रभाव होगा। समझौते की जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। द वेरिनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने अपने सदस्यों के लिए इस साल 5.5 प्रतिशत और 2023 में 8.2 प्रतिशत वेतन वृद्धि की मांग की है। पायलटों ने वेतन और छुट्टियों को लेकर नयी व्यवस्था की भी मांग की है। विमानन कंपनी का कहना है कि इन बदलावों से कर्मचारियों पर उसकी लागत 40 फीसदी तक बढ़ जाएगी, जिसपर दो वर्षों में करीब 90 करोड़ यूरो (करीब 7,200 रुपये) का खर्च आएगा। इसके स्थान पर कंपनी एक बार में 900 यूरो की वेतन वृद्धि करने की बात कह रही थी, जो वरिष्ठ पायलटों के लिए पांच फीसदी और अन्य के लिए 18 फीसदी होती।

राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय रणनीतिक संबंध मजबूत करने के लिए मंगोलिया से शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की

लंदन। मंगोलिया की यात्रा करने वाले भारत के पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां इस देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और आपसी विश्वास, साझा हितों, लोकतंत्र के साझा मूल्यों एवं कानून के शासन पर आधारित द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को पूर्णतयः लागू करने का निर्णय लिया। सिंह ने उलानबटोर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में भारत की सहायता से निर्मित 'साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र' का उद्घाटन भी किया और भारत की मदद से बनने वाले 'भारत-मंगोलिया मैत्री स्कूल' की आधारशिला रखी। सिंह ने मंगोलिया के राष्ट्रपति यू. खुरेलसुख, रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल सैखानबयार गुर्सेद और स्टेट ग्रेट खुराल (संसद) के अध्यक्ष जी. जानदनशतार से मुलाकात की। राजनाथ सोमवार से मंगोलिया तथा जापान की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। इस यात्रा का मकसद क्षेत्रीय सुरक्षा के हालात और वैश्विक भू-राजनीति में उथलपुथल के बीच दोनों देशों के साथ भारत के रणनीतिक एवं रक्षा संबंधों का विस्तार करना है। सिंह पांच से सात सितंबर तक मंगोलिया में रहेंगे। यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा इस पूर्वी एशियाई देश की पहली यात्रा है। सिंह ने ट्वीट किया, ''मंगोलिया के राष्ट्रपति यू. खुरेलसुख से उलानबटोर में मुलाकात बेहतरीन रही। उनके साथ 2018 में जब मुलाकात हुई थी, तब वह देश के प्रधानमंत्री थे। हम मंगोलिया के साथ अपनी बहुआयामी सामरिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।'' सिंह को उलानबटोर में रक्षा मंत्रालय में औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इसके बाद उनके और उनके मंगोलियाई समकक्ष के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। रक्षा मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रभावी और व्यावहारिक पहलों पर चर्चा की तथा आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। विज्ञप्ति में बताया गया कि दोनों मंत्रियों ने आपसी विश्वास और समझ, समान हितों और लोकतंत्र के साझा मूल्यों और कानून के शासन पर आधारित रणनीतिक साझेदारी को पूर्णतयः लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

ताइवान में संन्य अभ्यास के दौरान गोले दागते हुए एक टैंक।

थल सेना प्रमुख जनरल पांडे ने नेपाली प्रधानमंत्री से मुलाकात की

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की। जनरल पांडे ने अपनी आधिकारिक यात्रा के तीसरे दिन देउबा से भेंट की। उनकी इस यात्रा का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत बनाना है। नेपाली सेना ने ट्वीट किया, भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेर बहादुर देउबा से भेंट की।'' भारतीय दूतावास के अनुसार जनरल पांडे के साथ राजदूत नवीन श्रीवास्तव और प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य भी थे। जनरल पांडे ने काठमांडू में अपनी बैठकों के बारे में प्रधानमंत्री देउबा को जानकारी दी और उनकी सरकार के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया। जनरल पांडे रविवार को पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ विस्तृत बातचीत करेंगे और दोनों पड़ोसी देशों के बीच के रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर देंगे। नेपाली सेना ने एक अन्य ट्वीट में कहा, जनरल मनोज पांडे के सम्मान में जनरल प्रभु राम शर्मा और श्रीमती सुनीता शर्मा ने नेपाली सेना मुख्यालय में एक भोज का आयोजन किया। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे मंगलवार को यहां आर्मी कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में गए एवं प्रतिष्ठित संस्थान के कर्मियों और छात्रों से बातचीत की।

रूस अपने लक्ष्यों को हासिल करने तक यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा: पुतिन

मॉस्को। (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि मॉस्को अपने उद्देश्यों को हासिल करने तक यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा। उन्होंने प्रतिबंधों के जरिये रूस को अलग-थलग करने संबंधी पश्चिमी देशों के प्रयासों का उपहास भी किया। पुतिन ने सुदूर पूर्वी बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक में आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में कहा कि यूक्रेन में सेना भेजने के पीछे आठ साल की लड़ाई के बाद उस देश के पूर्वी क्षेत्र में नागरिकों की रक्षा करना मुख्य लक्ष्य था।

उन्होंने कहा, ''हम वे लोग नहीं हैं, जिन्होंने सैन्य कार्रवाई शुरू की थी, हम इसे समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने अपने इस तर्क की पुष्टि करते हुए कि उन्होंने यूक्रेन में रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्रों की रक्षा के लिए यूक्रेन में सेना भेजी, जिन्होंने 2014 में क्रीमिया के रूस के कब्जे के बाद भड़के संघर्ष में यूक्रेनी सेना से लड़ाई लड़ी है। पुतिन ने कहा, ''हमारी सभी कार्रवाई का उद्देश्य डोनबास में रहने वाले लोगों की मदद करना है, यह हमारा कर्तव्य है और हम इस लक्ष्य को हासिल करके रहेंगे।'' पुतिन ने कहा कि रूस ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का सामना करते हुए अपनी संप्रभुता को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, ''रूस ने पश्चिम के आर्थिक, वित्तीय और तकनीकी हमले का जवाब दिया है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि हमने कुछ नहीं खोया है और हम कुछ भी नहीं खोएंगे। सबसे सकारात्मक बात यह है कि हमारी संप्रभुता और मजबूत हुई है।'' रूसी नेता ने कहा कि रूस में आर्थिक ओर वित्तीय स्थिति स्थिर हो गई है, उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति कम हो गई है और बेरोजगारी दर भी कम बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रूस अपने वैश्विक प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा किए गए किसी भी दुस्साहस का सामना करते हुए अपनी संप्रभुता की रक्षा करना जारी रखेगा।

जापान, अमेरिका और फिलीपीन समुद्री सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं

तोयो (एजेंसी)।

तोक्यो में एक अमेरिकी राजनयिक ने चीन की ''बढ़ती आक्रामक समुद्री गतिविधियों' की आलोचना करते हुए मंगलवार को उन्हें संसाधन संपन्न हिन्द-प्रशांत जलमार्ग की सुरक्षा के लिए खतरा बताया। गौरतलब है कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों जापान और फिलीपीन के साथ समुद्री सुरक्षा समझौता करना चाहता है, ऐसे में उसका यह बयान महत्वपूर्ण है। अमेरिका के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन रेमंड ग्रीनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून की उपेक्षा और बीजिंग की आक्रामक गतिविधियों का लक्ष्य क्षेत्र में उसके नियंत्रण को बढ़ाना है।

तीनों देशों के अधिकारियों के बीच बैठक से पहले पत्रकारों को संबोधित करते हुए ग्रीनी ने कहा, ''खास तौर से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (चीन) की आक्रामक समुद्री गतिविधियां हमारे जलमार्गों की सुरक्षा के लिए खतरा बन रही हैं।'' उन्होंने कहा कि बल प्रयोग और प्रत्यक्ष धमकी के जरिये हिन्द-प्रशांत जलक्षेत्र पर कोई भी देश हावी नहीं हो सकता है।...हम बीजिंग की उकसावे की कार्रवाइयों की आलोचना करने से नहीं बच रहे। उन्होंने कहा कि चीन की कार्रवाई में पूर्वी और दक्षिणी चीन सागरों का सैन्यीकरण, विदेशी मछुआरों की नौकाओं और अन्य नावों को परेशान करना, समुद्री संसाधनों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना शामिल है।

सैन्य और सेना पर खर्च के मामले में चीन दूसरे स्थान पर है, जबकि अमेरिका पहले स्थान पर है। चीन पिछले कुछ वर्षों से लगातार अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। हालांकि उसका कहना है कि पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) का लक्ष्य सुरक्षा/रक्षा और उसके सम्प्रभू अधिकारों की सुरक्षा है। लेकिन पड़ोसी देश जापान चीन को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा के रूप में देखता है और ताइवान के आसपास बढ़ते तनाव को लेकर चिंतित भी है।

जॉनसन डाउनिंग स्ट्रीट छोड़कर महारानी को इस्तीफा देने के लिए रवाना हुए

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को डाउनिंग स्ट्रीट स्थित अपना आधिकारिक आवास छोड़ दिया और महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपने के लिए स्कॉटलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। जॉनसन ने करीब दो महीने पहले प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की मंशा जताई थी और उनके देर पूर्वाह्न बालमोराल एस्टेट में महारानी से मुलाकात करने की संभावना है, ताकि लिज ट्रस को सत्ता हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो सके। ट्रस को सोमवार को सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी का नेता घोषित किया और कुछ समय बाद महारानी से मुलाकात के बाद वह प्रधानमंत्री नियुक्त की जाएंगी। आधिकारिक आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट के सामने जॉनसन ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है ताकि इस्तीफा देने से पहले लोगों को ऊर्जा संकट से निपटने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा, '' मैं उस बूस्टर रॉकेट की तरह हूं जिसने अपना काम कर दिया है।''

गौरतलब है कि पहली बार सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया लंदन के बकिंघम पैलेस के बजाय एबर्डीनशायर स्थित शाही परिवार के ग्रीष्मकालीन आवास बालमोराल कैसल में हो रही है। इसकी वजह महारानी की 96 वर्ष की उम्र है जिसके कारण वह आने-जाने में समस्या का सामना कर रही हैं और महल के अधिकारियों को उनकी दैनिक यात्रा के बारे में निर्णय बहुत सोच समझ कर लेना पड़ रहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज, उनके बेटे हमजा ने धनशोधन के मामले से बरी करने की अर्जी दी

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे व पंजाब सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज के खिलाफ लाखों डॉलर के धनशोधन के मामले में आरोप तय करने में बुधवार को देरी हुई, क्योंकि उन्होंने नए सिरे से अर्जी देकर मामले से बरी करने का अनुरोध किया है। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की विशेष अदालत को पिता-पुत्र के खिलाफ 1400 करोड़ पाकिस्तानी रुपये के धनशोधन के मामले में बुधवार को अभियोग तय करना था, लेकिन उनके वकीलों ने अदालत को सूचित किया कि उनके मुवक्किलों ने मामले से बरी करने की अर्जी दायर की है।

अधिवक्ता ने प्रधानमंत्री को पेशी से एक बार के लिए छूट देने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह बुधवार की कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकते हैं क्योंकि वह बाढ़ राहत के कार्यों में व्यस्त हैं। इसपर न्यायाधीश इजाज हसन अवान ने अधिवक्ता से सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री 10 मिनट के लिए भी सुनवाई में नहीं आ सकते? इसके जवाब में अधिवक्ता अमजद परवेज ने कहा कि प्रधानमंत्री अगली सुनवाई के दौरान अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की कोशिश कर सकते हैं।

इसके बाद न्यायाधीश ने कार्यवाही 17 सितंबर के लिए स्थगित कर दी जिस दिन उनकी बरी करने की अर्जी पर बहस होगी। सुनवाई के बाद संवाददाताओं से अधिवक्ता ने कहा कि चूंकि 70 वर्षीय प्रधानमंत्री और उनके 48 वर्षीय बेटे ने बरी करने की अर्जी दी है, अतः अदालत में अभियोग तय करने की प्रक्रिया नहीं चल सकती। उन्होंने कहा, '' अब अदालत पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे की बरी करने की अर्जी पर फैसला देगी।'' गौरतलब है कि शहबाज और हमजा दोनों इस मामले में अग्रिम जमानत पर है।

अदालत शहबाज के छोटे बेटे सुलेमा शहबाज को मामले मेंघोषित अपराधी घोषित कर चुकी है। प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बेटों हमजा तथा सुलेमान के खिलाफ 1400 करोड़ पाकिस्तानी रुपये के कथित धन शोधन और भ्रष्टाचार के आरोप में संघीय जांच एजेंसी ने भ्रष्टाचार निरोधक कानून और धन शोधन रोधी कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया है। सुलेमान 2019से ब्रिटेन में हैं। शहबाज अक्सर कहते हैं कि सुलेमान वहां परिवार का कारोबार संभालते हैं। प्रधानमंत्री ने एक पिछली सुनवाई में अदालत में कहा था कि ''फैसले का दिन भले ही आ जाए लेकिन संघीय जांच एजेंसी मेरे खिलाफ एक रुपये का भी भ्रष्टाचार साबित नहीं कर पाएगी।

पाकिस्तान में बाढ़ की विभीषिका से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत

बर्नेबी (कनाडा)।(एजेंसी)।

पाकिस्तान में मॉनसून के कारण आई बाढ़ को ÷दानव मॉनसून÷ करार दिया गया है। इससे पता चलता है कि बारिश के कारण वहां किस हद तक तबाही हुई। बीते दो महीने के दौरान आई इस आपदा से पहले देश को मार्च और अप्रैल के महीने में प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ा था। इस गर्मी के कारण पाकिस्तान के उत्तर में स्थित ग्लेशियरों के पिघलने की गति में वृद्धि हुई और जुलाई अगस्त के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में अप्रत्याशित बारिश हुई।

मानव जनित कारणों से जलवायु में हुए परिवर्तन की वजह से मौसम में इस तरह का बदलाव देखने को मिला। इस साल की गर्मी ने पिछले सौ वर्षों का कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया और दक्षिण पूर्वी सिंध प्रांत में औसत से नौ गुना ज्यादा बारिश हुई। जून के मध्य से अब तक 1,300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और बाढ़ के कारण तीन करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। वर्ष 2019 में पाकिस्तान द्वारा ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की दर 43 करोड़ 30 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड प्रति वर्ष थी जो कि वैश्विक उत्सर्जन का 0.9 प्रतिशत था।

पाकिस्तान वैश्विक स्तर पर ग्रीनहाउस गैसों का बेहद कम उत्सर्जन करता है लेकिन जलवायु परिवर्तन की मार उस पर सबसे ज्यादा पड़ी। इसलिए पाकिस्तान को इस आपदा से उबारने का जिम्मा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का है। मैंने उत्तरी अमेरिका में बाढ़ के आर्थिक प्रभावों का अध्ययन किया है और सिंधु नदी बेसिन में जल प्रबंधन के इतिहास को पढ़ा है इसलिए मैं यह कह सकता हूं कि वर्तमान में जो 10 अरब डॉलर की क्षति बताई जा रही है वह, इस विभीषिका से हुए नुकसान की वास्तविकता से कोसों दूर है। पाकिस्तान में 2010 में भी बाढ़ आई थी जिसके कारण 1,985 लोगों की जान चली गई थी और 10 अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था। बार-बार होने वाली इन घटनाओं से भविष्य में आने वाली बाढ़ से निपटने के लिए बनाई जा रही रणनीति पर सवाल खड़े होते हैं। यह स्पष्ट है कि बाढ़ प्रबंधन का मूल ढांचा पर्याप्त नहीं है और सरकारी विभागों द्वारा समय पर प्रतिक्रिया नहीं दी जाती जिससे समस्या और बढ़ जाती है।

पाकिस्तान में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने 28 जून को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था तब उसकी गंभीरता को नहीं समझा गया। एनडीएमए ने अगस्त की शुरुआत में इन अलर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्रवाई की लेकिन प्राधिकरण की ओर से दी गई सहायता कुछ हजार लोगों के लिए थी जबकि आपदा से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या लाखों में थी। इसके बाद सेना को सहायता के लिए बुलाना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव अंतोनियो गुतारेस ने अगस्त के अंत में 16 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की अपील जारी की। कनाडा की संघीय सरकार ने भी मानवीय सहायता के लिए पचास लाख डॉलर जारी किये। तात्कालिक तौर पर यह सहायता आवश्यक थी लेकिन पाकिस्तान की आगामी चुनौतियों के सामने यह बेहद कम है।

भविष्य की आपदाओं से उबरने के लिए जिस तरह की तैयारी चाहिए, वह पाकिस्तान की विभिन्न एजेंसियों के बस की बात नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली बाढ़ जनित समस्याओं से निपटने के लिए व्यवस्थित ढंग से पाकिस्तान की क्षमता में वृद्धि किये जाने की जरूरत है। इस सहायता में वित्तीय संसाधन, तकनीकी मदद और मानव क्षमता विकसित करने की आवश्यकता है। एनडीएमए और पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने समय रहते चेतावनी जारी करने वाली प्रणाली विकसित करने में सफलता पाई है लेकिन सामुदायिक स्तर पर और काम करने की जरूरत है।

संपादकीय

भारत-बांग्ला प्रेमालाप

यों तो बांग्लोदश की स्थिति अन्य पड़ौसियों के मुकाबले बेहतर है और शेख हसीना के शासन-काल में उसकी सर्वविध उन्नति भी काफी हुई है लेकिन बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था भी डगमगाने लगी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आगे झोली फैलाने की नौबत अब बांग्लादेश पर भी आन पड़ी है।

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्तमान भारत-यात्रा का महत्व क्या हमारे पड़ौसी देश समझ पा रहे हैं? पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव में जैसी अफरा-तफरी आजकल मची हुई है, ऐसी पिछले 75 साल में कभी नहीं मची। ये सभी भारत के पड़ौसी देश चीन के चक्रव्यूह में फंसकर गदगद थे। किसी देश में चीन बंदरगाह बना रहा है, किसी में हवाई अड्डे बना रहा है, किसी में सड़कें, रेलें और पुल बन रहे हैं और कहीं चीन लंबी अवधि के लिए द्वीप के द्वीप लीज पर लेकर सैनिक अड्डे खड़े कर रहा है लेकिन कुछ ही वर्षों में हमारे इन पड़ौसी देशों को पता चल गया है कि वे चीनी कर्जे के बोझ के नीचे दबते चले जा रहे हैं और ठोस उपलब्धि के नाम पर शून्य नजर आ रहा है। यों तो बांग्लोदश की स्थिति अन्य पड़ौसियों के मुकाबले बेहतर है और शेख हसीना के शासन-काल में उसकी सर्वविध उन्नति भी काफी हुई है लेकिन बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था भी डगमगाने लगी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आगे झोली फैलाने की नौबत अब बांग्लादेश पर भी आन पड़ी है। हसीना सरकार के विरोधी उस पर जमकर हमला बोल रहे हैं। प्रदर्शनों, जुलूसों और हड़तालों का दौरदौरा शुरु हो गया है। ऐसे विकट समय में प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत-यात्रा का महत्व अपने आप असाधारण बन जाता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के प्रति प्रारंभ से ही अत्यंत स्नेहपूर्ण रवैया अपनाया है। उन्होंने प्राकृतिक संकट का मुकाबला करने के लिए बांग्लादेश की जो मदद प्रधानमंत्री बनते से ही की थी, उसे बांग्ला जनता अभी तक याद करती है। शेख हसीना की इस भारत-यात्रा के दौरान कुशियारा नदी के बारे में जो समझौता हुआ है, उससे दोनों देशों को लाभ होगा! तीस्ता नदी के बारे में भी रचनात्मक संकेत दोनों तरफ से मिले हैं। बांग्लादेश और भारत के बीच छोटी-मोटी 54 नदियां हैं। दोनों देशों के बीच 4000 किमी की सीमा है। बांग्लादेश आजकल ब्रिटेन की तरह भयंकर ऊर्जा-संकट से गुजर रहा है। दो बिलियन डॉलर की लागत से खुलना में बननेवाले बिजलीघर का दोनों नेताओं ने उदघाटन भी किया। इसमें भारत 1.6 बिलियन डॉलर लगाएगा। इसके अलावा बांग्लादेश की रेल्वे और सड़कों के निर्माण में भी भारत जमकर मदद करेगा। भारत लगभग 500 मिलियन डॉलर की मदद प्रतिरक्षा उपकरणों के लिए भी दे रहा है। बांग्लादेश को भारत तरह-तरह की फौजी सामान देने में भी सक्रिय सहयोग कर रहा है। इस समय भारत का पूरे दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा व्यापार बांग्लादेश के साथ है। पिछले साल आपसी व्यापार सिर्फ 10.78 बिलियल डॉलर का था। इस साल वह 44 प्रतिशत बढ़कर 18.13 बिलियन डॉलर का हो गया है। दोनों देश मिलकर अब एक वृहद व्यापार समझौते की तैयारी भी कर रहे हैं। दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ भी कटिबद्ध हैं। शेख हसीना को अपने सांप्रदायिक तत्वों के साथ जरा सख्ती बरतने की भी जरुरत है। यदि मोदी इस बात पर भी जोर देते तो अच्छा रहता।

कार्टून

भाजपा से आरपार की लड़ाई के संकेत

(लेखक- नवीन जैन)

राहुल गांधी सात सितंबर से भारत जोड़ो यात्रा के लिए निकल रहे हैं। भारत की एकता , और अखंडता में कहां कहां दरारें आ गई हैं ,इसका जवाब न राहुल के पास है ,ओर न ही कांग्रेस में मची भग दड के बाद बचे खुचे कांग्रेस जनों के पास । माना जाता है कि सदियों पहले अफ्रीका से एक मानव चला था । फिर ,देखते देखते दुनिया ही बस गई । भारत में जुमला आम है कि बहता पानी भला ,रमता जोगी भला ,लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी कोई जोगी सन्यासी नहीं हैं । सियासत का खेल शुद्ध रूप से सत्ता पाने का होता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी , और लोकनायक जय प्रकाश नारायण जैसे नेताओं की बात अलग थी।तो ,तय है कि राहुल अपना कारवां लेकर दिल्ली ली कुर्सी तक ही जाने के लिए लगभग साढ़े तीन हज़ार किलो मीटर लंबी कन्याकुमारी से कश्मीर तक के सफर पर निकले हैं।कभी मशहूर शायर , और फिल्मी गीतकार मरहूम मजरूह सुल्तानपुरी बस एक ही शेर से लोगों के दिलों पर राज करने लगे थे, और वो शेर था , मैं तो अकेला ही चला था जानिब ए मंज़िल मगर लोग जुड़ते गए और कारवां बढ़ता गया ,लेकिन राहुल की सबसे बड़ी दिक्कत यह है उनका घर ही उनसे सम्हाले नहीं सम्हाल पा रहा है। ।पहले उनकी हेकड़ी , और बे सिर पैर के आरोपों के चलते उनके पिताजी पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी द्वारा पार्टी में शामिल किए गए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल कोफ्त महसूस करते हुए समाजवादी पार्टी जैसी क्षेत्रीय पार्टी में शामिल होने को मजबूर हुए। अब आलम यह है कि गुलाम नबी आज़ाद जैसे वफादार नेता ने पार्टी से छुट्टी ले ली। वे , जम्मू काश्मीर में क्षेत्रीय दल बनाने जा रहे हैं । यदि मीडिया में आ रही खबरों को सही माने तो निकट भविष्य में पार्टी छोड़कर जाने वालों की रेलम पेल मचने वाली है। सवाल है कि सोनिया गांधी की चूंकि उम्र हो गई है ,और फिर उनकी तबियत भी गवारा नहीं करती इसलिए उनकी ,तो बहरहाल चर्चा छोड़ ही दें ,लेकिन जब राहुल ही पार्टी को एक सूत्र में बांधे रखने में हरदम विफल रहे ,तो वे आखिर देश की किस अखंडता ,और एकता के दांव पर लगने का हवाला किस आधार पर दे रहे हैं ? यदि नेहरू गांधी परिवार ने पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नही बनाया होता ,तो देश को आजादी दिलाने वाली पार्टी की यह बुरी गत नहीं बनी होती ।राहुल को भी प्रधानमंत्री बनने का पूरा अधिकार है ,क्योंकि वे भी आखिरकार इस देश के नागरिक हैं ,लेकिन बी.बी.सी. ने करीब दो साल पहले राजीव गांधी ,एवं राहुल गांधी के समग्र व्यकित्त्व का अलग विश्लेषण किया था । बी.बी.सी. ने लिखा था कि वास्तव में पिता पुत्र दोनों की शख्सियत राजनीतिक है ही नहीं। दोनों पूरी तरह से गृहस्थ हैं,और वहीं उन्हें रहना चाहिए। सोनिया गांधी ने बाद में राजीव गांधी की हत्या से तड़प कर बाद मीडिया के सामने यह कहकर अपना दर्द व्यक्त किया था कि **I always asked Rajiv not to join politics** यानी मैं राजीव से हरदम कहती थी कि राजनीति में मत जाओ ,जबकि ,2014 के आम चुनावों से ही सोनिया राहुल को प्रधानमंत्री बनवाने की कवायद में लगी हुई हैं। उसके पहले विदेशी मूल के मुद्दे पर एक तरह से उन्हें क्लीन चिट मिलने के बाद पार्टी ने उन्हें ही देश की सबसे ऊंची कुर्सी सौंपने का मन बना लिया था ,लेकिन एन.सी.पी. के अध्यक्ष शरद पवार जैसे उक्त पद के ही ख्वाहिश मंद आड़े गए ।राहुल को याद रखना होगा कि नमक कानून यानी महात्मा गांधी के दांडी मार्च के ठीक 17साल बाद देश को आज़ादी मिल पाई थी।उसी दौरान लाखों लोग इस यात्रा से जुड़ते गए।सवाल है कि क्या राहुल गांधी भी नए गांधी बनने जा रहे है? फ़िलहाल ,तो ऐसा लगता नहीं। न तो उनके पास कोई बुनियादी राजनीतिक , और इतिहास की समझ है । न ही दूरगामी दृष्टि।अक्सर देखा जाता रहा कि वे गुस्सेल ,चिढ़ चिढ़े ,मुंहफट अंदाज में पेश आते रहे।उनकी उम्र के साथ जो पीढ़ी खुद भी जवान हो रही थी ,वह अब प्रौढ़ ही होकर उनसे लगभग उकता गई है। नई पीढ़ी को भी उनमें कोई कशिश नजर नहीं आती। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री स्व.चंद्रशेखर की पद यात्रा भी सुर्खियों में रही। वे ,सूखे मेवे के नाश्ते के साथ पूरी यात्रा के दौरान कहते रहे कि मैं तो देश को समझने निकला हूं लेकिन किसी ने उनके बयानों पर ज्यादा गौर नहीं किया। लगभग यह कयास आम हो चुका था कि वास्तव में चंद्रशेखर की पीडा भी प्रधनमंत्री की कुर्सी है।यह कोशिश तब ,तो विफल रही , लेकिन आगे चलकर सचमुच चंद्रशेखर मात्र 60 के आस पास सांसदों के बूते पर राजीव गांधी से समर्थन लेकर प्रधनमंत्री बन ही गए ,लेकिन सिर्फ छह महीने से भी कम समय के लिए।इसके पश्चात प्रसिद्ध समाजसेवी मैगसेसे पुरुस्कार विजेता स्व .बाबा आमटे ने , और दिग्गज फिल्म अभिनेता एवं पूर्व वरिष्ठ राजनेता स्व.सुनील दत्त ने भी पैदल मार्च (बाबा आमटे ने साइकिल यात्रा) किया ,लेकिन उनके नेक इरादे भी कुल मिलाकर खास रंग नहीं जमा पाए ,लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि राहुल गांधी की उक्त यात्रा के दूरगामी परिणामों को अभी से किसी निष्णात ज्योतिषी की तरह खारिज कर दिया जाए ।एक आंकड़े के अनुसार आज भी लगभग 20फीसद वोटर कांग्रेस को वोट करते हैं । यह कांग्रेस का परम्परा गत वोट पॉकेट है।इस यात्रा की सबसे अच्छी बात यह है कि अपने पॉलिटिकल करियर में पहली बार राहुल ने इतनी बड़ी चुनौती उठाई है , जो पूरी पार्टी की चाहे तो भाजपा के खिलाफ आर पार की लड़ाई का संकेत भी हो सकती है। अब सबसे ज्यादा जरूरी है तितर बितर हो रही पार्टी को फिर से एकजुट करना । विपक्षी एकता संभव तो है ,मगर स्व,. अटलजी के जमाने के अलावा इसका टिके रहना एक रोमांटिक खामों खयाली है । अंतिम बात । राहुल को ही तय करना पड़ेगा कि पार्टी का चरित्र , चेहरा और चाल बदलने का रोड मैप उनके पास क्या है। जब 2019 में उन्होंने पार्टी का अध्यक्ष होते हुए हार की पूरी जिम्मेदारी लेकर अध्यक्ष पद से बिदाई लेते हुए लगभग आठ पेज की जो चिट्ठी उच्च कमान को लिखी थी उस पर उन्हीं को गौर करना चाहिए। रही बात पार्टी के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर जैसे नेता के पार्टी अध्यक्ष बनने की बात तो शशि थरूर भले आशिक मिजाज हों ,लेकिन वे इतने हिंदी और अंग्रेजी के इतने प्रखर वक्ता हैं कि क्राउड पुलर सिद्ध हो सकते है। (वरिष्ठ पत्रकार)

यदि मीडिया में आ रही खबरों को सही माने तो निकट भविष्य में पार्टी छोड़कर जाने वालों की रेलम पेल मचने वाली है। सवाल है कि सोनिया गांधी की चूंकि उम्र हो गई है ,और फिर उनकी तबियत भी गवारा नहीं करती इसलिए उनकी ,तो बहरहाल चर्चा छोड़ ही दें ,लेकिन जब राहुल ही पार्टी को एक सूत्र में बांधे रखने में हरदम विफल रहे ,तो वे आखिर देश की किस अखंडता ,और एकता के दांव पर लगने का हवाला किस आधार पर दे रहे हैं ?

धर्म

आचरण

आचार्य रजनीश ओशो

श्रेष्ठ से श्रेष्ठ ऊंचाइयां हैं उपनिषदों की, लेकिन हिंदू का आचरण? क्षुद्र है। इसलिए कभी-कभी बड़ा चकित होकर देखना पड़ता है। त्याग की इतनी महिमा है, लेकिन जिस तरह हिंदू पैसे को पकड़ता है, इस पृथ्वी पर कोई नहीं पकड़ता। जिनको हम भौतिकवादी कहते हैं, वे भी पैसे को इस पागलपन से नहीं पकड़ते। जितना लोभी हिंदू है, उतनी पृथ्वी पर कोई भी जाति खोजनी कठिन है। और अलोभ की इतनी चर्चा है! इतनी ऊंचाई विचार की और आचरण की इतनी क्षुद्रता! क्या होगा कारण? पश्चिम से लोग खोज करने आते हैं सत्य को पूरब, और जब यहां के लोगों को देखते हैं तब बहुत हैरान होते हैं। इनसे ज्यादा क्षुद्र वृत्ति के लोग उन्हें कहीं भी मिलने मुश्किल हैं। आत्मा-परमात्मा की बातें हैं, लेकिन इनका व्यवहार अत्यंत जमीन से बंधा हुआ है, और रु ग्ण है। क्या होगा कारण? यह है कारणः जब एक दफे यह बात साफ हो गई कि सबके लिए जिम्मेवार परमात्मा है, भाग्य है, विधि है, कुछ किया नहीं जा सकता, तो तुम जैसे हो, वैसे हो। अतल खाई खुल गई गिरने की। जब भी कोई व्यक्ति अनुभव करता है, मैं जिम्मेवार हूं, तब उसकी चेतना सजग होगी। तब वह जागता है। तब वह श्रम करता है, चेष्टा करता है, सम्हालता है। क्योंकि तुम अपने को सम्हालोगे तो ही इस खाई में गिरने से बच सकते हो। तुमने अपने को नहीं संभाला तो कोई तुम्हें संभालने वाला नहीं है। सभी तुम्हें धक्के दे सकते हैं, लेकिन सम्हालने वाला तुम्हें कोई भी नहीं है। क्योंकि तुम्हारी ऊंचाई में किसकी उत्सुकता है? तुम्हारी शुद्धता में किसका रस है? और तुम जीवन के परम कगार बन जाओ, इसके लिए कौन मेहनत करेगा? सब अपने लिए मेहनत कर रहे हैं। जिस दिन व्यक्ति का दायित्व शून्य हो जाता है, बस उसी दिन उसके आधार समाप्त हो जाते हैं। उसके पैर के नीचे की जमीन जैसे किसी ने खींच ली। अगर महावीर और बुद्ध ने पृथ्वी पर महानतम प्रयोग किया है और हजारों लोगों की चेतनाओं को निर्वाण तक पहुंचाया है, उस सबका आधार एक था कि उन्होंने कहा, कि कोई परमात्मा नहीं है, कोई भाग्य नहीं है तुम हो। और इसलिये अगर तुम नरक में जी रहे हो तो तुम ही कारण हो। निराश होने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि तुम ही नरक में भीतर गए हो, बाहर आ सकते हो। किसी ने तुम्हें भेजा नहीं है। यह तुम्हारा अपना निर्णय है। स्वेच्छा से तुम गए हो। जब तुम स्वेच्छा से गए हो, तो स्वेच्छा से बाहर आ सकोगे। इस पर किसी का दबाव नहीं है।

विचार मंथन

सुनक की हार

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

ब्रिटेन में भारतवंशी प्रधानमंत्री बनने की संभावनाओं पर विराम लग गया है। 46 साल की लिज ट्रस प्रधानमंत्री बनी हैं। दक्षिणपंथी प्रत्याशी लिज अक्टूबर में बोरिस जॉनसन की जगह लेंगी। लिज को ब्रिटेन की सियासत में फायरब्रांड नेता के तौर पर जाना जाता है। दो महीने चले चुनाव प्रचार में उनकी एप्रोच कभी डिफेंसिव नहीं रही। बता दें कि 7 जुलाई को बोरिस जॉनसन ने पार्टी नेता के पद से इस्तीफा दिया था। उसके बाद कंजरवेटिव पार्टी में उनका मुकाबला भारतीय मूल के ऋषि सुनक से था। कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों की वोटिंग के पांचों राउंड में सुनक ने लिज ट्रस को मात दी थी, लेकिन अंतिम फैसला तो इस पार्टी के करीब 1 लाख 60 हजार रजिस्टर्ड मेंबर्स करते हैं। इसमें लिज ने बाजी मार ली। बोरिस जॉनसन भी सुनक के पक्ष में नहीं थे। सवाल यह उठता है कि आखिर शुरुआत में आगे चलने वाले तगड़े दावेदार सुनक क्यों हारे? ब्रिटिश मीडिया इसकी कई वजहें बता रहा है। इनमें से दो अहम हैं। पहली-पत्नी अक्षता के पास ब्रिटेन की नागरिकता न होना है। दूसरी-कंजर्वेटिव पार्टी के ज्यादातर ब्रिटिश मेंबर्स अपने ही देश के नागरिक को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे। कंजर्वेटिव पार्टी के ज्यादातर सांसद सुनक के पक्ष में थे। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद सुनक ने सबसे पहले प्रधानमंत्री पद का दावा ठोका। रेडी फॉर ऋषि कैम्पेन से बढ़त बनाई। साजिद जाविद, नदीम जवाहिरी और आखिर में मॉरडेंट रेस से बाहर हुईं। ट्रस रेस में सबसे आखिर में शामिल हुईं और वक्त के साथ सबसे आगे निकल गईं। ट्रेड मिनिस्टर के तौर पर इस्तीफा देने के बाद सुनक की रेटिंग काफी हाई थी, लेकिन कुछ कंजर्वेटिव सांसद और पार्टी मेंबर्स मान रहे थे कि सुनक की वजह से ही जॉनसन को इस्तीफा देना पड़ा। उन्हें पीठ में छुरा घोंपने वाला तक कहा गया। सुनक ही वो शख्स थे, जिन्होंने बोरिस जॉनसन का एक तरह से तख्तापलट किया। वो भी तब जबकि जॉनसन ने ही सुनक के पॉलिटिकल करियर को आगे बढ़ाया था। इससे लोगों में नाराजगी थी। फिर प्रचार के शुरुआती दौर में एक वीडियो सामने आया। आरोप लगा कि सुनक ने शहरी इलाकों के लोगों से आर्थिक मदद ली। कहा गया कि पत्नी अक्षता तो ब्रिटिश क्वीन एलिजाबेथ से भी अमीर हैं। उनके पास 430 लाख पाउंड के एसेट्स हैं। इसके अलावा ब्रिटेन के लोग दोहरी नागरिकता रख सकते हैं, लेकिन सुनक जैसे बड़े नेता के लिए इसे अच्छा नहीं माना गया। कंजर्वेटिव पार्टी भी दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर अपने नेता का बचाव नहीं कर सकी। चुनाव के दौरान वादे भी सुनक के पक्ष में नहीं गए। लिज ट्रस ने टैक्स में कटौती करने के वादे पर चुनाव लड़ा है। उन्होंने पीएम बनने पर टैक्स में 1.25 फीसदी तक की कटौती करने का वादा किया है, जबकि ऋषि सुनक इसके उलट टैक्स बढ़ाने पर जोर देते रहे हैं। टैक्स कटौती से सिर्फ अमीरों को फायदा होगा, इसलिए इसकी जरूरत नहीं है। सुनक ने कहा था कि पीएम बनने के बाद वो उन परिवारों की मदद करेंगे, जो बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर परेशान हैं। ऋषि सुनक पूरे चुनावी अभियान में महंगाई के मुद्दे पर ज्यादा जोर देते हुए देखे गए। मगर यह काम न आया। कंजर्वेटिव पार्टी के लगभग 1,60,000 सदस्यों का वोट हासिल करने के लिए सुनक और ट्रस का कई बार सामना हुआ। लेकिन सर्वे के परिणामों से पता चल रहा है कि ऋषि सुनक पार्टी सदस्यों का वोट हासिल करने में कामयाब नहीं हो सके हैं।

स्वदेशी का प्रतीक

विश्व फ़िजीयोथेरेपी दिवस विशेष-

लेखक - Dr. नयन गुप्ता (PT)

शीर्षकः शरीर को सक्रिय बनाती हैं फ़िजीयोथेरेपी।

शारीरिक रूप से सक्रिय और चुस्त रहने के लिए फ़िजीयोथेरपी बहुत आवश्यक हैं। दुर्घटना में गम्भीर चोट खाए लोग हो या लकवा के मरीज़ ,उपचार के बाद शरीर के विभिन अंगो को सक्रिय बनाने में फ़िज़ीयोथेरपी की अहम भूमिका हैं ।

बीतें माह ओलंपिक में कई भारतीय खिलारियों ने मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया। वास्तव में एक फ़िज़ीयोथेरेपिसट ही खिलाड़ी को शारीरिक रूप से फ़िट बनाते हैं ।

कुछ सामान्य शारीरिक समस्याएँ :

काम के दौरान कई तरह की चोटें लग जाती हैं जिन्हें वर्क रिलेटेड इंजरीज़ कहा जाता हैं ।

- **1.कार्पल टनल सिंड्रोम डिसॉर्डर** - यह समस्या कलाई के अंदर नस के दबाव के कारण होती हैं । इसमें अंघुटे और अंगुलियों में तेज दर्द होता हैं , यह समस्या उन लोगों को होती है जो कम्प्यूटर माउस का अधिक प्रयोग करते हैं ।
- **2.टेनिस एल्बो और गॉल्फ़र एल्बो** - ये कोहनी का दर्द हैं , जो कि बाहर ओर अंदर की तरफ़ होता हैं । कोहनी का अत्यादिक घर्षण या मासपेशियों के ज़्यादा काम करने के कारण होता हैं ।
- **3.सर्विकल स्पोंडोलयतिस** - यह अब आम समस्या बन गयी हैं एक ही जगह पर ज़्यादा देर बेठकर कर काम करने से गर्दन की मासपेशियों में खिंचाव होता हैं जिसके कारण नस पर दबाव होने से हाथों में झनझनाट पैदा होती हैं ।
- **टीनो साइनोविटिस**- ये एक प्रकार का अंदरूनी बदलाव हैं ,जिसमें जोड़ों में पानी जेसा भरने लगता हैं और आगे जाकर ये दर्द पैदा करता हैं ।

फ़िज़ीयोथेरपी की सहायता से इन सब समस्याओ से काफ़ी हद तक निदान पाया जा सकता हैं ।

स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज़, स्ट्रेंगथनिंग एक्सरसाइज़ , इलेक्ट्रोथेरेपीं (अल्ट्रसाउंड, लेज़र , टेंस मशीन आदि) , एर्गोनोमिक सलाह आदि तकनीक के द्वारा फ़िजीयोथेरेपिसट इलाज करते हैं।

Dr. नयन गुप्ता (PT)
Clinical physiotherapist

प्रकृति की गोद में बसा है

चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग

वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ संेचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

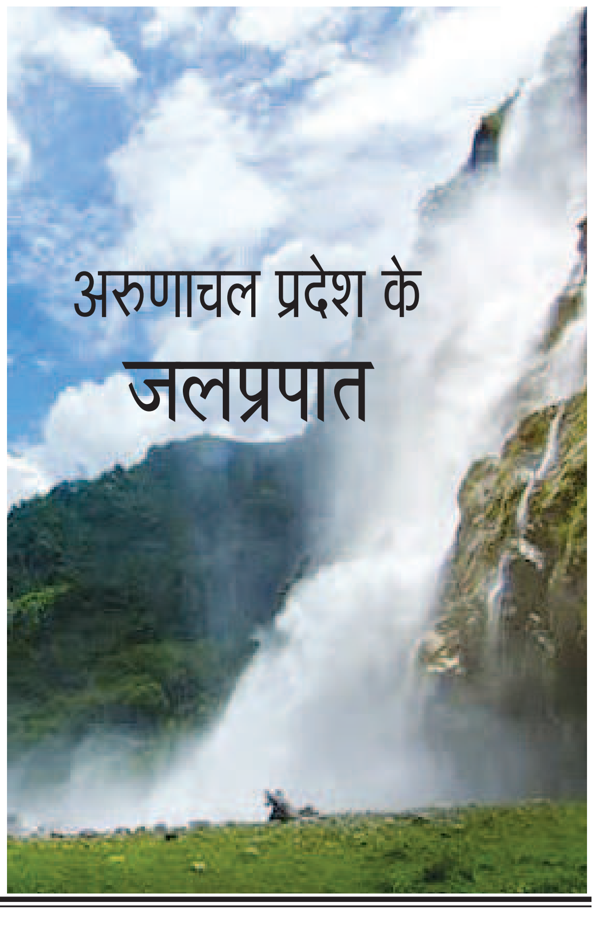

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपात

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

पेटीएम ने कहा, तेजी से बढ़ रहा ऋण कारोबार

मुंबई । डिजिटल वित्तीय सेवा प्लेटफार्म पेटीएम चलाने वाली कंपनी वन97 ने कहा कि इस वर्ष जुलाई-अगस्त में उसके मंच से राम वितरण कारोबार में तेजी आई है और इन दो महीनों में उसने कुल 4517 करोड़ रुपए के 60 लाख कर्ज वितरित किए। कंपनी ने बीएसई स्टाक एक्सचेंज को दी सूचना में कहा कि हमारा ऋण वितरण कारोबार लगातार तेज हो रहा है। अगस्त की रफ्तार से हमारा वार्षिक ऋण वितरण कारोबार वार्षिक 29000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। बाजार सूचना में कंपनी ने कहा है कि जुलाई और अगस्त 2022 में उसके मंच से वितरित ऋणों की संख्या पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 246 प्रतिशत बढ़कर 60 लाख हो गई। इस दौरान वितरित ऋण की राशि 4517 करोड रुपए रही जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 484 प्रतिशत अधिक है।

क्रिप्टोकरेंसी की नई टेक्नोलॉजी से कार्बन उत्सर्जन कम होगा!

नई दिल्ली। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग सफल रहा तो इससे कॉर्बन उत्सर्जन में 99 फीसदी तक की कमी आएगी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन को भी नई टेक्नोलॉजी में शिफ्ट होने का दबाव बढ़ेगा। क्रिप्टोकरेंसी डिजिटल मुद्रा है, जिसमें लोग एक-दूसरे को सीधे ऑनलाइन भुगतान करते हैं। हाल के वर्षों में क्रिप्टोकरेंसी में तेज वृद्धि चौंकाने वाली रही है। दुर्भाग्य से क्रिप्टोकरेंसी की खरीद और बिक्री का प्रबंधन करने वाले कंप्यूटरों द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली की भारी मात्रा के कारण जलवायु परिवर्तन में भी उनका योगदान रहा है। अकेले बिटकॉइन हर साल 150 टेरावाट घंटे बिजली की खपत करता है यानी बिटकॉइन हर साल अर्जेंटीना जैसे देशों में की तुलना में अधिक ऊर्जा खपत करता है।

ताप विद्युत संयंत्रों में प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी लगाने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली । पर्यावरण मंत्रालय ने दिल्ली-एनसीआर और 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के 10 किलोमीटर के दायरे में स्थित ताप विद्युत संयंत्रों के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी लगाने की समयसीमा को दो साल बढ़ाकर दिसंबर, 2024 कर दिया गया है। पहले इसकी समयसीमा दिसंबर, 2022 में ही खत्म होने वाली थी। वहीं अधिक प्रदूषण वाले इलाकों के 10 किलोमीटर के दायरे में स्थित ताप विद्युत संयंत्रों के लिए समयसीमा को दिसंबर, 2023 से बढ़ाकर दिसंबर, 2025 कर दिया गया है। अधिक प्रदूषण वाले और वायु गुणवत्ता मानकों के अनुपालन में नाकाम रहने वाले शहरों के तौर पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने 132 शहरों को चिह्नित किया है। मंत्रालय की इस अधिसूचना के मुताबिक देश के अन्य इलाकों में स्थित ताप विद्युत संयंत्रों के लिए इस समयसीमा को दो साल बढ़ाकर दिसंबर, 2026 कर दिया गया है। पहले यह समयसीमा दिसंबर, 2024 में खत्म होने वाली थी। इसके साथ ही पर्यावरण मंत्रालय ने यह साफ किया है कि दिसंबर, 2027 तक बंद होने की घोषणा कर चुके संयंत्रों के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी लगाने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, इस छूट के लिए उन संयंत्रों को सीपीसीबी और केंद्रीय विद्युत अधिकरण की मंजूरी लेनी होगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंक शेयरों के नीचे आने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 168.08 अंक करीब 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,028.91 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 31.20 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी नीचे आकर 17,624.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी के शेयर गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, सन फार्मा, विप्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आया है जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट ऊपर आया है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही जबकि अमेरिकी बाजारों को नुकसान हुआ। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.99 फीसदी ऊपर आकर 93.75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

काइनेटिक ग्रीन को 600 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

मुंबई । इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी काइनेटिक ग्रीन को चालू वित्त वर्ष में अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया कारोबार से 600 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है। पुणे की कंपनी ने पिछले महीने के अंत में तेज गति वाला तीसरा मॉडल जिंग एचएसएस स्कूटर पेश किया था। इसकी शोरूम कीमत 85,000 रुपये है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण और उसे अपनाने को बढ़ावा देने की योजना (फेम) सब्सिडी भी शामिल है। काइनेटिक ने पिछले साल मार्च में दो ई-स्कूटर मॉडल जिंग और जूम के साथ इलेक्ट्रिक दोपहिया खंड में कदम रखा था। काइनेटिक ग्रीन की संस्थापक और सीईओ सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने कहा कि कंपनी की डीलरशिप ने सितबंर माह के लिए पहले ही नए वाहनों की 5,000 इकाइयों की बुकिंग हासिल की है, जो एक अच्छी प्रतिक्रिया है। मोटवानी ने बताया कि हमारा इस वित्त वर्ष के अंत तक दोपहिया कारोबार से 600 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य है। इसके अलावा हम स्कूटर पर ध्यान देने और कम गति से लेकर उच्च गति वाले वाहनों के साथ इस क्षेत्र के अग्रणी कंपनियों में से एक बनने की कोशिश में हैं।

गौतम अदाणी ने जेफ बेजोस को पछाड़ा, संपत्ति 148.8 अरब डॉलर हुई

नई दिल्ली । फोर्ब्स की अरबपतियों की सूची के अनुसार भारत के दिग्गज उद्योगपति गौतम अदाणी ने अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पछाड़ दिया है। बीते दिनों सूची में एक पायदान नीचे खिसकने वाले अदाणी ने एक बार फिर लंबी छलांग लगाई है। इस बार जेफ बेजोस को पछाड़ते हुए वे एक बार फिर दुनिया के तीसरे सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अदाणी की कंपनियों के शेयरों की कीमतों में बढ़ोतरी से उनका नेटवर्थ तेजी से बढ़ा है। बुधवार को उनकी कुल नेटवर्थ 148.8 अरब डॉलर हो गई है। जेफ बेजोस की संपे त्ति कम होकर 136.7 अरब डॉलर हो गई है। संपत्ति में कमी होने से अब वे दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। बता दें कि कई दिनों से इस बात की चर्चा चल रही थी कि गौतम अदाणी जल्द ही जेफ बेजोस को संपत्ति के मामले में पीछे छोड़ सकते हैं। गौतम अदाणी अब संपत्ति के मामले में जेफ बेजोस से 12.1 अरब डॉलर आगे निकल गए हैं। अब दुनिया में गौतम अदाणी से अमीर केवल टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के सीईओ एलन मस्क और फ्रांस के अरबपति बर्नाड अर्नाल्ट ही रह गए हैं।

विकसित देशों से कमजोर मांग की वजह से प्रभावित हो रहा भारत का निर्यात

वैश्विक मुद्रास्फीति, रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन और ताइवान के बीच बढ़ता तनाव और आपूर्ति व्यवधानों से दुनियाभर में आर्थिक वृद्धि हो रही है प्रभावित

नई दिल्ली ।

अमेरिका, यूरोपीय संघ समेत विकसित देशों से कमजोर मांग की वजह से इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से निर्यात प्रभावित हुआ है। आगामी महीनों में यदि वैश्विक स्थिति बेहतर नहीं होती है तो इसका भारत के निर्यात पर और असर पड़ने की आशंका है। विशेषज्ञों का कहना कि वैश्विक मुद्रास्फीति, रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन और ताइवान के बीच बढ़ता तनाव और आपूर्ति व्यवधानों से दुनियाभर में आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो रही है और यही कमजोर मांग की वजह है। विश्व व्यापार संगठन ने अप्रैल में अनुमान जारी करके कहा था कि विश्व व्यापार 4.7 फीसदी की दर से बढ़ेगा लेकिन अब 2022 में इसके तीन फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। अगस्त में देश से वस्तु निर्यात 1.15 फीसदी कम होकर 33 अरब डॉलर रहा है जबकि समान महीने में आयात में 37 फीसदी की वृद्धि होने से व्यापार घाटा दोगुने से अधिक बढ़कर 28.68 अरब डॉलर हो गया। अगस्त में जिन क्षेत्रों से निर्यात प्रभावित हुआ है वे हैं इंजीनियरिंग, रत्न एवं आभूषण, तैयार परिधान, कपास का धागा तथा कपड़ा और प्लास्टिक। वर्ष 2021-22 में देश के कुल 419 अरब डॉलर के निर्यात में इंजीनियरिंग उत्पादों की हिस्सेदारी 25 फीसदी से अधिक थी, इनमें लगातार दूसरे महीने गिरावट आई और अगस्त में यह 14.5 फीसदी गिरकर 8.25 अरब डॉलर रह गया। अगस्त में रत्न एवं आभूषण का निर्यात चार फीसदी कम होकर 3.3 अरब डॉलर, प्लास्टिक का 1.47 फीसदी गिरकर 74.45 करोड़ डॉलर रहा। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) ने कहा कि कई वैश्विक वजहों से क्षेत्र में बीते कुछ महीनों में वृद्धि कमजोर पड़ी है। परिषद ने एक बयान में कहा कि चीन से मांग कम होने और पश्चिम की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी के माहौल से निर्यात में नरमी आई। इस्पात के कुछ उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाए जाने से भी वृद्धि प्रभावित हुई। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि मौजूदा रूझान को देखते हुए ऐसा लगता है कि सितंबर से नवंबर की अवधि चुनौतीपूर्ण रहेगी। लुधियाना हैंड टूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एससी रल्हान ने कहा कि निर्यातकों के पास करीब दो महीने के ही ऑर्डर है। वैश्विक स्थिति का मौजूदा हाल बना रहता है तो इससे हमारे निर्यात प्रभावित होंगे।

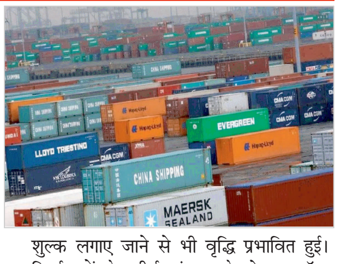

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार बढ़ाकर 2,000 अरब डॉलर पहुंचाना चाहता है: गोयल

सैन फ्रांसिस्को ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में भारत का माल एवं सेवा का निर्यात 675 अरब डॉलर को पार कर गया और अब देश 2030 तक अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाकर 2000 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहता है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों से बातचीत करते हुए गोयल ने कहा कि जब भारत अपनी 100वीं वर्षगांठ मनाएगा तब तक उसकी अर्थव्यवस्था 30,000 अरब डॉलर की हो जाएगी। 2047-2050 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे कर रहा होगा तब सामान्य परिदृश्य में भारत कम से कम 30,000 अरब की अर्थव्यवस्था होगा और सरकार की योजनाएं काम कर गईं तो अर्थव्यवस्था कम से कम 35,000 से 45,000 अरब डॉलर की होगी। अपनी 3300 अरब की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के साथ भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस सूची में उससे पहले अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार ने बीते कुछ वर्ष ऐसा आधार बनाने में लगाए जिन पर देश तेजी से परिवर्तित हो सके, इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ सके, प्रणालियां बेहतर बनें और प्रौद्योगिकी में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में हमारा माल एवं सेवाओं का निर्यात पहली बार 675 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हमें उम्मीद है कि 2030 तक अंतरराष्ट्रीय व्यापार बढ़कर 2000 अरब डॉलर का हो जाएगा।

अब एपल ब्राजील में अपने मोबाइल नहीं बेच पाएगा

नई दिल्ली । दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील ने आईफोन पर प्रे तिबंध लगा दिया है। अब एपल ब्राजील में अपने मोबाइल नहीं बेच पाएगा। हालांकि एपल का कहना है कि वह ब्राजील के इस आदेश के खिलाफ अपील करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील ने पूरे देश में बिना चार्जर वाले आईफोन की बिक्री को बंद करने का आदेश दे दिया है। इसी के साथ ब्राजील की सरकार ने आईफोन के साथ चार्जर ना देने को लेकर एपल पर करीब 18 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। एपल के आईफोन 14 सीरीज की लॉन्चिंग से ठीक पहले ब्राजील ने एपल को ये बड़ा झटका दिया है। इससे एपल के नए फोन की लांन्चिंग पर असर पड़ना तय है। सरकार ने अपने एक आदेश में कहा है कि ग्राहकों को उन्हें पूरा प्रोडक्ट नहीं दिया गया है। एपल ने साल 2020 में अपने आईफोन 12 को लान्च किया था। इसी के साथ कंपनी ने आईफोन के साथ चार्जर को देना बंद कर दिया था। कंपनी का कहना है कि यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए उठाया गया है। हालांकि एपल के इन तर्कों को कथित तौर पर न्याय मंत्रालय ने खारिज कर दिया था। मंत्रालय ने कहा था कि फोन के साथ चार्जर ना देने से पर्यावरण के लिए सुरक्षा का कोई सबूत नहीं है।

अर्बन क्रूजर हाइडर को घरेलू बाजार में पेश करने की तैयारी

-कीमत 9.6 लाख रु से 19.5 लाख रुपये के बीच होने की उम्मीद

नई दिल्ली । आगामी समय में दिनों में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) अर्बन क्रूजर हाइडर को घरेलू बाजार में पेश करने की तैयारी कर रही है। इसकी कीमत 9.6 लाख रु से 19.5 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच होने की उम्मीद है। जापानी ऑटो प्रमुख की भी नवंबर 2022 के आसपास नई पीढ़ी की इनोवा हाइक्रॉस को भी पेश करने की योजना है।यह जनवरी 2023 में सेल के लिए उपलब्ध हो सकती है।नई इनोवा के आने से पहले, टोयोटा भारत में न्यू-जेन अर्बन क्रूजर लॉन्च कर सकती है।इस कॉम्पैक्ट एसयूवी को ग्राहकों ने अपनी शुरुआत से ही खूब पसंद किया है।यह कार वितारा ब्रेझा का रीबैज्ड वर्जन है।यह देखते हुए कि नवीनतम टोयोटा ग्लैंज़ा, बैज-इंजीनियर मारुति सुजुकी बलेनो, अपने फेसलिफ़्टेड डोनर से बिल्कुल अलग दिखती है।अपकमिंग अर्बन क्रूज़र में लेटेस्ट ब्रेज़ा की तुलना में कई स्टाइलिंग बदलाव होंगे।इसमें बेहतर बिल्ड क्वालिटी के साथ मजबूत आर्किटेक्चर दिया जाएगा।यह कार ग्लोबल सी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। दूसरी पीढ़ी की टोयोटा अर्बन क्रूजर 1.5-लीटर चार-सिलेंडर के 15सी माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन से पावर्ड होगी।जो लगभग 105 पीएस का अधिकतम पावर आउटपुट और 138 एनएम का पीक टॉर्क जेनेरेट करने में सक्षम है.हालांकि, कोई बड़ा चेंज इस कार में होने की संभावना नहीं है। एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी के साथ 9 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, क्रूज़ कंट्रोल, इंजन स्टार्ट / स्टॉप बटन, एक 360-डिग्री कैमरा सिस्टम, एक इलेक्ट्रिक सनरूफ, एक हेड-अप डिस्प्ले, 6 एयरबैग जैसे फीचर्स इस कार में होंगे।यह आउटगोइंग मॉडल की तुलना में ज्यादा बेहतर माइलेज देगी। इंटीरियर में एक नया डैशबोर्ड और सेंटर कंसोल होगा, जबकि आउटगोइंग अर्बन क्रूजर की तुलना में नया मॉडल कई बढ़िया फीचर्स से लैस होगा।

क्रूड ऑयल सस्ता, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई के भाव में करीब तीन डॉलर की गिरावट आई है। इस बीच बुधवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर बिक रहा। हालांकि 24 घंटे के भीतर ब्रेंट क्रूड के भाव में 2.80 डॉलर की गिरावट आई और यह 92.32 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई के भाव में भी ढाई डॉलर प्रति बैरल की गिरावट आई और इसकी कीमत 86.28 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.60 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.42 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

ऐड-सपोर्टेड प्लान 1 नवंबर को लॉन्च करेगी नेटफ्लिक्स

- कम कीमत पर मिलेगा सब्सक्रिप्शन

नईदिल्ली ।

नेटफ्लिक्स कंपनी अपना ऐड-सपोर्टेड प्लान 1 नवंबर को लॉन्च कर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नए प्लांस के कई देशों में लॉन्च होने की उम्मीद है। कथित तौर पर इन प्लांस को पहले अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस और जर्मनी सहित देशों में लॉन्च किया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह अभी भी इस बात पर विचार कर रहे है कि कम कीमत वाले ऐड सपोर्टेड प्लांस को कैसे लॉन्च किया जाए और कंपनी ने इसको लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। इससे पहले नेटफ्लिक्स ने पहले पुष्टि की थी कि इसके नए ऐड सपोर्टेड प्लान साल के अंत से पहले लाइव हो सकते हैं।हालांकि नेटफ्लिक्स द्वारा अभी तक इसकी सीधे पुष्टि नहीं की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में इन प्लांस के और अधिक देशों रोलआउट किए जाने की उम्मीद है.गौरतलब है कि डिज्नी+ अमेरिका में 8 दिसंबर को ऐड-सपोर्टेड टियर लॉन्च करने जा रही है, जिसे देखते हुए नेटफ्लिक्स ने भी सस्ता प्लान जल्द लाने का फैसला किया है।जानकारी के मुताबिक अमेरिकी मार्केट में नए प्लान की कीमत सात डॉलर से नौ डॉलर (560 रुपये से 720 रुपये) के बीच हो सकती है। वहीं, अगर यह प्लान भारत में लॉन्च होता है, तो इसकी कीमत सभी मौजूदा प्लान्स के मुकाबले कम होगी।इस साल अप्रैल में नेटफ्लिक्स ने एक दशक में पहली बार अपने ग्राहकों की संख्या में गिरावट दर्ज की थी।इसके बाद कंपनी के को-सीईओ रीड हेस्टिंग्स ने खुलासा किया था कि कंपनी अधिक किफायती और ऐड सपोर्टेड प्लान पर विचार कर रही है।यह स्ट्रीमिंग सर्विस के लिए एक बड़ा बदलाव था जो सालों से एड-फ्री थी.नए किफायती प्लान के अलावा नेटफ्लिक्स का लक्ष्य यूजर्स से पासवर्ड शेयरिंग के लिए भी शुल्क लेना शुरू है।

एयर इंडिया को गति देने और इसके महंगे कर्ज को चुकाने 4 अरब डॉलर जुटाएगी टाटा संस

मुंबई ।

एयर इंडिया को गति देने और इसके महंगे कर्ज को चुकाने के लिए टाटा संस ने 4 अरब डॉलर जुटाने की योजना बनाई है। टाटा संस इक्विटी और हाइब्रिड डेट के जरिए फंड जुटाएगी। कंपनी ने एयर इंडिया के अधिग्रहण के लिए महंगा कर्ज लिया था। वह कर्ज को चुकाना चाहती और साथ ही वह एयर इंडिया को मजबूत बनाने के लिए नई पूंजी डालना चाहती है। रिपोर्ट के अनुसार, मामले से जुड़े 2 लोगों के हवाले से यह खबर दी है। टाटा संस ने पिछले साल अक्टूबर में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। टाटा संस ने 2.3 अरब डॉलर की एंटरप्राइज वैल्यू पर यह समझौता किया था। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कंपनी के लिए डेट से पूंजी जुटाना तब आसान होगा, लेकिन इक्विटी कंपोनेंट में समय लग सकता है, क्योंकि एयरलाइंस बिजनेस में निवेश करने वाले इक्विटी फंडों की संख्े या कम है।

सूत्र ने बताया कि टाटा ग्रुप इनवेस्टमेंट एडवाइजर्स की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू करेगा। हालांकि, कुछ विदेशी ऋणदाताओं और कुछ प्राइवेट इक्विटी फंडों के साथ अनौपचारिक बातचीत कंपनी ने शुरू भी कर दी है। वहीं, दूसरे सूत्र ने बताया कि डेट रिफाइनेंसिंग पोर्शन अपेक्षाकृत आसान होगा, वे योंकि टाटा के मौजूदा बैंकिंग रिलेशनशिप के तहत आने वाले ऋणदाता इसमें शामिल होगा। सूत्र का कहना है कि इस ट्रांजेक्शन के इक्विटी कंपोनेंट में थोड़ा समय लग सकता है, क्योंकि दुनियाभर में एयरलाइंस बिजनेस में निवेश करने वाले प्राइवेट इक्विटी फंडों की संख्या अपेक्षाकृत कम है।

एयर इंडिया के लिए पूंजी जुटाने की योजना के संबंध में टाटा संस के प्रवक्ता ने नहीं दिया। पिछले महीने एक दूसरी रिपोर्ट में कहा गया था कि एयरएशिया इंडिया एयरलाइंस के कुल लॉस के लिए 2,600 करोड़ रुपये का प्रोविजन कर सकती है।

इस साल जून में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने एयरएशिया इंडिया के इक्विटी शेयर के अधिग्रहण के एयर इंडिया के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

शास्त्री ने टीम चयन पर सवाल उठाये

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने एशिया कप सुपर-फोर में भारतीय क्रिकेट टीम की हार पर निराश व्यक्त करते हुए कहा कि यह गलत तरीके से टीम चयन के कारण हुआ। भारतीय टीम को एशिया कप के पहले सुपर-फोर में पाकिस्तान और उसके बाद श्रीलंका ने हरा दिया। सुपर-4 के पहले भारत ने ग्रुप राउंड के अपने दोनों मुकाबले जीते पर टीम अपने इस प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख पायी। मैच के दौरान शास्त्री ने टीम चयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल नहीं किए जाने से नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि शमी ने आईपीएल में शानदार गेंदबाजी की थी पर उनके अच्छे प्रदर्शन की अनदेखी की गयी। शास्त्री ने कहा कि टीम में एक गेंदबाज की कमी दिख रही थी। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में आर अश्विन को शुरुआती ओवरों में गेंदबाजी के लिए भेजा जा सकता था। इसके अलावा दीपक हुडा को भी अवसर दिया जा सकता था। शास्त्री ने कहा कि शमी को टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलनी चाहिए क्योंकि उसके पास ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव है। वही पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने माना है कि विश्व कप के लिए टीम को विविधता वाले गेंदबाजों की जरुरत है।

एशिया कप: श्रीलंका से हार के बाद रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप टीम में दिए बदलाव के संकेत

दुबई ।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भरोसा है कि उनकी टीम इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही है। हालांकि इसी के साथ ही उन्होंने टी20 विश्व कप के लिए टीम में कुछ बदलाव के भी संकेत दिए हैं। भारत मंगलवार की शाम दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका से एक और रोमांचक मैच हार गया जिसमें दासुन शनाका की टीम ने उन्हें केवल एक गेंद शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। ऐसे में अब भारत का एशिया कप में सफर समाप्त हो चुका है और पाकिस्तान के साथ खिताबी मुकाबले वाला सपना असंभव है। शर्मा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम 90 प्रतिशत सेटल हैं, केवल कुछ बदलाव होंगे। हमारे पास कोई कमी नहीं है। टीम में गुणवत्ता है। द्विपक्षीय श्रृंखला की तुलना में बहु-राष्ट्र श्रृंखला में अधिक दबाव है। हमने इस पर चर्चा की है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम समूह चरणों से आगे नहीं बढ़ सके। टी20 विश्व कप (यूएई 2021 में) और अब हम एशिया कप सुपर फोर में दो मैच हार गए। उन्होंने कहा, हम एक के बाद एक दो मैच हारने के बाद चिंतित नहीं हैं। हमने 2021 टी20 विश्व कप के बाद इतने मैच जीते हैं। भारत पावरप्ले में बल्ले से अच्छी शुरुआत करने में नाकाम रहा, केएल राहुल और विराट कोहली दोनों को जल्दी आउट हो गए। टूर्नामेंट के दौरान बल्लेबाजी करना चिंता का विषय रहा है, जिसमें टीम अच्छी शुरुआत करने में नाकाम रही है, जबकि पारी का अंत करने में भी असमर्थ रही है। आईसीसी ने भारत की बल्लेबाजी पर शर्मा के हवाले से कहा, हमने पहले छह ओवरों में उतने रन नहीं बनाए, जितने हम चाहते थे क्योंकि हमने विकेट गंवाए थे। हमें उसके बाद मिली गति का बेहतर फायदा उठाना चाहिए था। रोहित ने कहा, हम बल्ले से खेल को ठीक से समाप्त नहीं कर सके। हमने टीम मीटिंग में इस बारे में बात की थी ... करीबी मैचों में हमने कितनी अच्छी तरह से निपटाया है। ये चीजें होती हैं। हम 10 या 12 रन कम थे लेकिन अभी भी अच्छा स्कोर था। शर्मा ने दिनेश कार्तिक को टीम से बाहर किए जाने को भी संबोधित किया। ऋषभ पंत को अनुभवी पर समर्थन दिया गया, लेकिन अब तक चकाचौंध करने में विफल रहे हैं, उन्होंने तीन मैचों में केवल 31 रन बनाए हैं। फिनिशर दिनेश कार्तिक के ऊपर ऋषभ पंत को चुनने पर रोहित ने कहा, बहुत सरल, हम सिर्फ एक बाएं हाथ के बल्लेबाज को बीच में बल्लेबाजी करना चाहते थे, इसलिए (वह) आउट हैं। वह किसी भी फॉर्म या किसी भी चीज के कारण बाहर नहीं हैं, हम चाहते थे बीच में बल्लेबाजी करने के लिए एक बाएं हाथ का बल्लेबाज और हमारे कुछ बल्लेबाजों के दबाव को दूर करने के लिए जो उस बाएं हाथ के बल्लेबाज के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं।

एमबापे और हालैंड चैंपियन्स लीग में चमके, बेंजेमा चोटिल

पेरिस ।

कायलन एमबापे और इर्लिंग हालैंड ने चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के शुरुआत में गोल करने की अपनी क्षमता का खुलकर प्रदर्शन किया जबकि पिछले सत्र में शानदार खेल दिखाने वाले करीम बेंजेमा चोटिल होने के कारण पूरे मैच में नहीं खेल पाए। एमबापे और हालैंड ने दो-दो गोल दागे जिससे उनके क्लब क्रमशः पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग में जीत से शुरुआत की। इन दोनों टीम को खिताब का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा है। रियाल मैड्रिड के खिताब के बचाव की संभावना काफी हद तक पूरी तरह से फिट बेंजेमा पर निर्भर है, लेकिन सेल्टिक के खिलाफ 30वें मिनट में फ्रांस के फॉरवर्ड को घुटने की चोट के कारण बाहर होना पड़ा। विनीसियस जूनियर, लुका मोड्रिक और ईडन हैज़र्ड के दूसरे हाफ के गोल की मदद से रियाल ने इस मैच में 3-0 से जीत हासिल की। बेंजेमा ने प्रतियोगिता के पिछले सत्र में 12 मैचों में 15 गोल किए थे और रियाल मेड्रिड को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। फ्रांसीसी लीग में अभी तक पांच मैचों में सात गोल करने वाले एमबापे के दो गोल की मदद से पीएसजी ने युवेंटस को 2-0 से हराया जबकि मैनचेस्टर सिटी की सेविला पर 4-0 की जीत में हॉलैंड ने दो गोल दागे। इसके अलावा डिनामो ज़ाग्रेब ने चेल्सी को 1-0 से हराया, जबकि सेरी ए चैंपियन एसी मिलान को साल्ज़बर्ग ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका।

सिंकीफील्ड कप शतरंज - सभी मुक़ाबले बेनतीजा - वेसली सो की बढ़त बरकरार

सैंट लुईस (निकलेश जैन) 2022 के सबसे मजबूत सुपर ग्रांड मास्टर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में पाँच राउंड के बाद यूएसए के वेसली सो की एकल बढ़त बरकरार है ,दरअसल पांचवें राउंड में खेले गए सभी मुक़ाबले बेनतीजा रहे । सबसे आगे चल रहे यूएसए के वेसली सो नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए हमवतन लेवोन अरोनियन से बाजी ड्रॉ खेली और 3 अंको के साथ अपनी एकल बढ़त को कायम रखा है । अन्य मुकाबलों में अजरबैजान के मामेद्यारोव नें यूएसए के फबियानों कारुआना से ,यूएसए के दोमिंगेज पेरेज नें हमवतन नीमन हंस से और फ्रांस के मकसीम लागरेव नें रूस के यान नेपोमिन्सी से आधा अंक बाँट लिया । विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के टूर्नामेंट से हटने के चलते फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को आज विश्राम मिला । फिलहाल वेसली के बाद फबियानों ,नेपोमिन्सी ,नीमन ,दोमिंगेज सभी खिलाड़ी 2.5 अंक बनाकर खेल रहे है

एशिया कप: अफगानिस्तान के खिलाफ कमियां दूर करने उतरेगा भारत

दुबई ।

फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप सुपर चार में गुरुवार को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में टी20 विश्वकप से पहले अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम सुपर चार चरण में अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ लगातार हार के लिए संसाधनों की कमी और खराब टीम चयन को भी दोषी ठहराया जा सकता है। वर्तमान भारतीय टीम की रणनीति में लचीलापन का अभाव दिखता है और ऐसे में कोच राहुल द्रविड़ की नीतियों पर भी उंगलियां उठना लाजमी है। ऐसा लगता है कि द्रविड़ टीम चयन के मामले में कुछ कड़े फैसले लेने के लिए आतुर हैं क्योंकि टीम के पास किसी भी रणनीति के लिए दूसरी योजना नजर नहीं आती है। ऐसी परिस्थितियों में उसे उस अफगानिस्तान का सामना करना है जिसके पास राशिद खान, मुजीब जादरान, मोहम्मद नबी, हजरतुल्लाह ज़ज़ई और रहमानुल्ला गुरबाज जैसे टी-20 के दमदार खिलाड़ी हैं। अफगानिस्तान एक ऐसी टीम है जो कि अपने 'पावर हिटर' के दम पर 170 रन के लक्ष्य को भी हासिल कर सकती है और राशिद जैसे गेंदबाज की अगुवाई में विपक्षी टीम को कम स्कोर पर भी रोक सकती है। इस टीम के खिलाफ एक ही बात जाती है कि उसे लगातार बड़ी टीमों का सामना करने का मौका नहीं मिलता है। उसके पास अनुभव की कमी है।

लेकिन टी-20 ऐसा प्रारूप है जिसमें एक खिलाड़ी मैच का परिदृश्य बदल सकता है। अफगानिस्तान के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो मुख्य कोच द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने और अन्य विकल्पों को आजमाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि दिनेश कार्तिक को ऋषभ पंत या दीपक हुड्डा की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। हुड्डा को श्रीलंका के खिलाफ सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और बाद में उन्हें गेंदबाजी भी नहीं सौंपी गई। ऐसे में हुड्डा को टीम में शामिल करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए। इसके अलावा श्रीलंका के खिलाफ मैच से यह भी साबित हो गया कि भारत पांचवें विशेषज्ञ गेंदबाज के रूप में हार्दिक पंड्या पर ही निर्भर नहीं रह सकता है जिन पर ऑलराउंडर की अपनी भूमिका निभाने के लिए काफी दबाव है।

बल्लेबाजों में रोहित ने पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ सकारात्मक रवैया अपनाकर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन कप्तान से शीर्ष तीन में बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

जडेजा के घुटने की सर्जरी सफल रही

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के घुटने की सर्जरी सफल रही है। जडेजा के जल्द ही रिहैब शुरू करने की संभावनाएं हैं। जडेजा लीग मुकाबलों के दौरान की दाहिने घुटने की पुरानी चोट उबरने के कारण एशिया कप सुपर फोर मुकाबलों से पहले बाहर हो गये थे। जडेजा ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी सर्जरी सफल रही है। साथ ही कहा कि बड़ी तादाद में लोगों का मुझे समर्थन और सहयोग मुझे मिला है। इसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। इसमें बीसीसीआई, मेरे टीम के साथी, सहयोगी स्टाफ, फिजियो, डॉक्टर और प्रशंसक सभी शामिल हैं। साथ ही कहा कि मैं जल्द ही अपना रिहैब शुरू करूंगा और जल्द से जल्द क्रिकेट की ओर वापसी का प्रयास करूंगा। गौरतलब है कि जडेजा अपने करियर में खराब फिटनेस के कारण कई बार बाहर हुए हैं। घुटने की चोट के कारण ही वह जुलाई में वेस्ट इंडीज दौरे पर भी शामिल नहीं हो पाये थे। एशिया कप से उन्होंने अच्छी वापसी की थी पर लीग मुकाबलों में उनकी यह चोट फिर उबर गयी थी।

उमरान-चाहर और कार्तिक को अवसर नहीं देने पर भड़के हरभजन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम की श्रीलंका के खिलाफ सुपर-फोर में हार के बाद पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज उमरान मलिक , दीपक चाहर और दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ियों को अवसर नहीं देने पर नाराजगी व्यक्त की है। हरभजन ने कार्तिक को लगातार अवसर नहीं दिये जाने के लिए भी टीम प्रबंधर पर सवाल उठाये हैं। कार्तिक को एशिया कप के ग्रुप दौर के दोनों मैचों में अवसर दिया गया था पर सुपर-4 के दोनों मैच में ऋषभ पंत को जगह मिल। ऋषभ दोनो ही मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और पाक के खिलाफ 14 व श्रीलंका के खिलाफ 17 रन ही बना पाये। वहीं चाहर ने एशिया कप से पहले जिम्बाब्वे सीरीज में शानदार गेंदबाजी की थी पर इसके बाद भी उन्हें अवसर ने देते हुए स्टैंडबाय के तौर पर शामिल किया गया था हालांकि आवेश खान के बीमार होने के कारण उन्हें टीम में तो जगह मिल गयी पर वह अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये। वहीं तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने आईपीएल में 15 से अधिक विकेट लिए थे। वह लगातार 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करते रहे हैं। इसके बाद उन्हें टी20 टीम में जगह भी मिली। उन्हें आयरलैंड के खिलाफ 2 और इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच में मौका मिला था पर केवल दो विकेट लेने और अधिक रन देने के कारण उनके नाम पर विचार नहीं किया गया

भारत 2025 तक अगला विश्व शतरंज चैंपियन दे सकता है: आनंद

कोलकाता।

दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का मानना है कि भारत में अगला विश्व चैंपियन तैयार करने की क्षमता है लेकिन ऐसा 2025 से पहले होना संभव नहीं है क्योंकि इस प्रक्रिया में थोड़ा समय लगेगा। आनंद अपनी अकादमी, वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करने में लगे हुए हैं। आनंद ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा,'' अगर आप औपचारिक खिताब चाहते हैं तो यह 2025 तक संभव है। कोई भी सरल रास्ता नहीं है जो हमें तैयार होने के लिए पर्याप्त समय दे। इससे कई चीजें जुड़ी होती हैं।'' मैगनस कार्लसन ने अपने खिताब का बचाव करने से इंकार कर दिया है और ऐसे में 2023 की विश्व चैंपियनशिप कैंडिडेट प्रतियोगिता में शीर्ष पर रहने वाले दो खिलाड़ियों के बीच खेली जाएगी। इस तरह से आर प्रज्ञानानंद और डी गुकेश जैसे खिलाड़ियों के पास विश्व चैंपियनशिप के अगले चक्र में ही मौका होगा। आनंद ने कहा,''जहां तक विश्व चैंपियनशिप के अगले चक्र की बात है तो यह देखना होगा कि अगले दो से चार साल में यह कैसा स्वरूप लेती है। विश्व चैंपियनशिप सोने पे सुहागा होगा। हमें मजबूत बनकर और अच्छी प्रगति करके इसको लक्ष्य बनाना चाहिए।'' उन्होंने कहा,'' अगर आप पर्याप्त मजबूत हैं तो फिर आप हर चीज के लिए तैयार रहते हैं। यही मेरा दृष्टिकोण है। विश्व शतरंज में इन दिनों तेजी से बदलाव हो रहे हैं इसलिए चीजें कैसे आगे बढ़ेंगी इसकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है।'' भारत ने शतरंज ओलंपियाड में नौ पदक जीते जिसमें महिला टीम का पहला कांस्य पदक भी शामिल है। इससे आनंद की उम्मीदें बढ़ी हैं और उनका मानना है कि यह महज संयोग नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे निश्चित रूप से लगता है कि हमने इसमें योगदान दिया है। बेशक, आपको उनके व्यक्तिगत कोच, परिवार और उनके अपने काम की प्रशंसा करनी होगी। लेकिन मुझे लगता है कि हमने निश्चित रूप से योगदान दिया है।'' आनंद ने कहा,'' एक दौर था जबकि ये खिलाड़ी शीर्ष उदीयमान खिलाड़ियों में शामिल थे और मुझे लगता है पिछले तीन वर्षों में उन्होंने समय बर्बाद नहीं किया और महत्वपूर्ण प्रगति की।'' उन्होंने कहा,''शतरंज ओलंपियाड के परिणामों से पता चलता है कि भारत शतरंज में महाशक्ति बनता जा रहा है लेकिन अभी कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें काम करने की जरूरत है।''

टी20 विश्व कप के लिए नीदरलैंड टीम की घोषणा

एम्सटर्डम । इस साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए नीदरलैंड ने टीम की घोषणा कर दी है। टीम में 37 वर्षीय ऑलराउंडर रूलोफ वैन डेर मेर्वे और दाएं हाथ के बल्लेबाज कॉलिन एकरमैन की वापसी के साथ वैश्विक आयोजन के लिए एक मजबूत टीम का ऐलान किया गया। यह जोड़ी हाल ही में टी20आई श्रृंखला में घर पर न्यूजीलैंड को लेने वाली टीम थी। स्कॉट एडवर्ड्स टीम का नेतृत्व करेंगे और ऑलराउंडर एकरमैन उप-कप्तान होंगे जो मध्यम गति से भी गेंदबाजी कर सकता है। आईसीसी ने मुख्य कोच रेयान कुक के हवाले से कहा, हमने आगामी टी20 विश्व कप के लिए युवाओं और अनुभव के रोमांचक मिश्रण के साथ एक संतुलित टीम बनाई है। सुपर लीग में खेलने का अनुभव टीम को अच्छी स्थिति में खड़ा करेगा और इन प्रदर्शनों से अच्छा आत्मविश्वास लिया जा सकता है। कुक ने कहा, हम उस प्रगति को जारी रखने पर ध्यान देंगे जो टूर्नामेंट में गर्मियों के दौरान स्पष्ट थी और आयोजन से पहले कुछ गुणवत्तापूर्ण तैयारी की योजना बनाई गई थी, जो कौशल और सामंजस्य दोनों में समूह के लिए तैयारी में मदद करेगी। नीदरलैंड ने बुलावायो में हुए टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के जरिए ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में जगह बनाई थी। जबकि वे जिम्बाब्वे से क्वालीफायर के फाइनल में हार गए थे नीदरलैंड ने फाइनल में आकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जगह बुक कर ली थी।

टी20 विश्व कप के लिए नीदरलैंड की टीम:

स्कॉट एडवर्ड्स (विकेटकीपर और कप्तान), कॉलिन एकरमैन, शारिज अहमद, लोगन वैन बीक, टॉम कूपर, ब्रैंडन ग्लोवर, टिम वैन डेर गुगटेन, फ्रेड क्लासेन, बास डी लीड, पॉल वैन मीकेरेन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, स्टीफ़न मायबर्ग, तेजा निदामनुरु, मैक्स ओ डॉड, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह।

काउंटी क्रिकेट में शुभमन की अच्छी शुरुआत

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने काउंटी क्रिकेट में शानदार शुरुआत की है। शुभमन ने काउंटी टीम ग्लैमोर्गन की ओर से खेलते हुए 46 गेंद पर 34 रन बनाये हैं। इसमें चार चौके और एक छक्का शामिल है। ग्लैमोर्गन की ओर ये खेलते हुए शुभमन ने वर्सेस्टरशर के गेंदबाजों का बेहतर ढ़ंग से सामना किया है। उनकी बल्लेबाजी की सहायता से ग्लैमोर्गन ने वर्सेस्टरशर के खिलाफ पहली पारी में दो विकेट पर 111 रन बना लिए थे। इससे पहले वर्सेस्टरशर की टीम ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 454 रन बनाए थे। शुभमन को यहां मिले अनुभवों का लाभ आने वाले समय में मिलेगा। इससे वह उछाल भरी पिचों पर बेहतर तरीके से खेल पायेंगे। शुभमन को एशिया कप के लिए शामिल नहीं किया गया था जिस कारण वह काउंटी क्रिकेट खेलने यहां पहुंच गये थे।

केवल दो स्पिनर होने के बावजूद पाकिस्तान के पास बहुत शक्तिशाली आक्रमण है: आकाश चोपड़ा

शारजाह ।

भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि प्लेइंग इलेवन में केवल दो स्पिनरों के साथ खेलने के बावजूद पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत था। बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज और लेग स्पिनर शादाब खान ने भारत के खिलाफ सुपर फोर मैच में पाकिस्तान की पांच विकेट की जीत में क्रमशः 6.25 और 7.75 की इकॉनमी रेट से कड़ी गेंदबाजी की। नवाज और शादाब के अलावा पाकिस्तान के पास उस्मान कादिर के रूप में एक बैक-अप लेग स्पिनर है। अगर पाकिस्तान शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार का मैच जीत जाता है, तो भारत और अफगानिस्तान दोनों टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे जिससे उनके लिए संयुक्त अरब अमीरात में 2022 एशिया कप के फाइनल में पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होगा। आकाश चोपड़ा ने कहा, उनका गेंदबाजी आक्रमण काफी ठीक लग रहा है। अगर हजरतुल्लाह ज़ज़ई थोड़ी देर के लिए वहां रहते हैं, अगर नजीबुल्लाह जदरान थोड़ी जल्दी आते हैं, तो उनके पास इफ्तिखार (अहमद) के पास जाने और उसे अपना ओवर डालने के लिए कहने का विकल्प होता है। वह आपको ऑफ स्पिन के कुछ ओवर देगा, इसलिए उनके पास विकल्प है, लेकिन जो पाकिस्तान के पक्ष में है मेरी राय में, वह उनकी तेज गेंदबाजी है। चोपड़ा ने कहा, बेशक, पिच तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल नहीं है, लेकिन मदुशंका (श्रीलंका के) को दो विकेट मिले, इसलिए आप अभी भी अपना काम कर सकते हैं, कम से कम किफायती हो, ताकि आपके दो स्पिनरों द्वारा अधिकांश विकेट लिए जा सकें। इसलिए भले ही उसके पास केवल दो स्पिनर हैं, पाकिस्तान फिर भी एक बहुत ही शक्तिशाली आक्रमण है। चोपड़ा ने यह भी महसूस किया कि अफगानिस्तान के प्रमुख लेग स्पिनर राशिद खान को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में एक अलग भूमिका निभानी है क्योंकि पावर-प्ले में उनके आंकड़े बहुत अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं कहता हूं कि मुजीब (उर रहमान) गेंदबाजी करेगा, क्योंकि वह पहला ओवर फेंकेगा, वह पावर प्ले ओवरों में शुरू करेगा।

(मोहम्मद) नबी राशिद खान के बारे में सोच सकता है क्योंकि राशिद पावर प्ले के ओवर बहुत अच्छे नहीं हैं।

बावुमा की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम

जोहान्सबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीका ने टेम्बा बावुमा को अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व के लिए कप्तान के तौर पर टीम में शामिल किया है। बावुमा इससे पहले चोटिल होने के कारण बाहर थे। उन्हें यह चोट जून में भारत के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में लगी थी पर अब वह पूरी तरह से उबर गये हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज भी भारत के साथ खेलेगी। इसके लिए भी टी20 विश्वकप वाली टीम ही उतरेगी। बावुमा को इस दौरे के लिए भी कप्तान बनाया गया है। उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। विश्व कप के मुकाबले 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में खेले जाएंगे। कुल 16 टीमें इसमें शामिल हो रही हैं। वावुमा के अलावा डेविड मिलर को भी इस टीम में जगह मिली है। इस 15 सदस्यीय टीम में सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक को भी शामिल किया गया है। डिकॉक का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में बेहतरीन रहा है। इसके अलावा तेज गेंदबाज के तौर कैगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्किया को शामिल किया गया है। यह दोनों ही 140 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिच पर इन्हें फायदा भी मिलेगा। ट्रिस्टन स्टब्स पहली बार विश्व कप खेलने को तैयार हैं। रासी वान डर डुसेन को फिट नहीं होने के कारण बाहर किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका टीम इस प्रकार है: तेंबा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मारक्रम, डेविड मिलर, लूंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, रिली रोसो, वायने पार्नेल, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स.

डिटिजल गुजरात का बजा डंका: मेले में लापता बच्चों को टेक्नोलोजी की मदद से खोजा जाएगा

गांधीनगर ।
गांधीनगर अंबाजी धाम में भादरवी पूनम के मेले की शुरुआत हो चुकी है। मां अंबा के दर्शन के लिए गुजरात सहित देश भर से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सीआरडीएफ (सेप्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन) द्वारा इस वर्ष पवित्र यात्राधाम बोर्ड के साथ मिलकर तथा विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर अंबाजी में यात्री सुविधा के आयोजन की समीक्षा की जा रही है। इसके साथ ही सीआरडीएफ ने यात्रियों के लिए कई तरह की सुविधाओं की व्यवस्था, पार्किंग सुविधा की डिजाइन और अनाउंसमेंट सिस्टम पर भी काम किया है। राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में पवित्र यात्राधाम बोर्ड ने इन सभी स्थलों पर हर तरह की सुविधाएं विकसित की हैं ताकि तीर्थयात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। राज्य के कोने-कोने से आने वाले लाखों पदयात्रियों के लिए अंबाजी मार्ग पर सेवा कैंप का विशेष आयोजन किया गया है। सेवा कैंप में चाय-नास्ता, मेडिकल सेवा कैंप, मालिश कैंप, आराम व्यवस्था तथा रात्रि विश्राम के लिए अद्यतन व्यवस्थाएं की गई हैं। कोरोना काल के दो वर्षों के बाद आयोजित हो रहे मेले को लेकर माई भक्तों में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस बार अंबाजी में तीर्थयात्रियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इसके लिए टेक्नोलॉजी का भी उपयोग करते हुए क्यूआर कोड की पहल की गई है। इसे स्केन करने पर सरकार द्वारा की गई सभी व्यवस्थाओं और उनके स्थलों के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध होगी।

'मातृमिलन प्रोजेक्ट' का आयोजन

अंबाजी मेले में परिवार से बिछड़े या गुम हुए बच्चों का परिवार के साथ सुखद मिलन कराने के लिए अनोखा 'मातृमिलन प्रोजेक्ट' शुरू किया गया है। जिला प्रशासन और वोडाफोन आइडिया के संयुक्त तत्वावधान में 'मातृमिलन प्रोजेक्ट' का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे को एक क्यूआर कोड कार्ड पहनाया जाता है। इस क्यूआर-स्केन कोड में बच्चे के अभिभावक का मोबाइल नंबर जोड़कर लॉक किया जाता है। इस डिजिटल पहल की मदद से मेले में गुम हुई महिसागर जिले की दो बेटियों का उनकी माता के साथ सुखद मिलन कराया गया था। अपने परिवार के साथ पैदल चलकर मां अंबा का दर्शन करने पहुंचीं नेहा प्रजापति ने कहा कि, "कोरोना के दो वर्षों के बाद जब इस तरह से आयोजन किया जा रहा है, यह भक्तों के लिए विशेष है। अब फोरलेन सड़कों की सुविधा से लेकर यातायात का नियमन भी इस तरह किया जा रहा है कि पदयात्री श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। सरकार की ओर से की गई विसामा (आराम स्थल) और राहत कैंप की व्यवस्था के कारण बिना थकावट महसूस किए अंबाजी पहुंचकर मां के दर्शन का लाभ ले पाए हैं।"

हजीरा घोघा को जोड़ने वाली रोपेक्स नौका सेवाओं की बहाली

सूरत भूमि,सूरत । दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र को समुद्र से जोड़ने वाली रोपेक्स फेरी सर्विस तकनीकी आर्थिक कारणों से कुछ समय के लिए रोके जाने के बाद हजीरा टर्मिनल से फिर से शुरू की गई है। हजीरा और घोघा को समुद्र के द्वारा मात्र 3 घंटे में जोड़ते हुए वॉएज एक्सप्रेस इंडिया भारत की पहली सौर ऊर्जा से चलने वाली रोपेक्स फेरी की सेवाएं शुरू करेगी, जिससे यात्रियों और सामानों के लिए यह सुविधा अधिक सुविधाजनक हो जाएगी।

सौर्य ऊर्जा से चलने वाली यह रोपैक्स फेरी इंधन की खपत पर भी काफी बचत करेगी, जिससे रिन्यूएबल ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इस सुविधा के फिर से शुरू होने से यात्रियों के पास अब दिन में दो बार हजीरा घोघा और घोघा हजीरा के बीच यात्रा करने का विकल्प होगा। वॉयेज एक्सप्रेस घोघा से सुबह 9:00 बजे और हजीरा से शाम 6:30 बजे निकलेगी जबकि वॉइस सिंफनी हजीरा से सुबह 8:00 बजे और घोघा से शाम 5:00 बजे निकलेगी।

विशेष रुप से, वॉयेज एक्सप्रेस मैं पूरी तरह से वातानुकूलित नौका सेवा, तीन कैफेटेरिया, गेम जोन और समुद्र की सुंदरता का अनुभव करने के लिए एक टॉप डेक जैसी सुविधाएं हैं। इसमें 180 एग्जीक्यूटिव, 115 बिजनेस, 80 स्लीपर, 22 वीआईपी लाउंज, 11 केबिन के साथ-साथ 70 कारों, 50 बाईक, 25 आईशर और 55 ट्रकों की विशाल परिवहन क्षमता है। दूसरी ओर वॉयेज सिंफनी में 316 कार्यकारी, 78 व्यवसाय, 14 वीआईपी लाउंज, 85 कार, 50 बाईक, 30 ट्रक परिवहन करने की क्षमता है।

बच्चों को उनकी प्रतिभा दिखाने और स्थिरता प्राप्त करने के लिए टीएम पटेल इंटरनेशनल स्कूल ने मनाया त्रिरंगा का 12वां संस्करण

सूरत भूमि, सूरत। भारत का उज्ज्वल भविष्य युवाओं के हाथों में है क्योंकि उन्हें एक स्थायी और मजबूत भारत के निर्माण के लिए आगे लाया जा रहा है। जिसके हिस्से के रूप में टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल ने एक टिकाऊ भारत बनाने के उद्देश्य से विविधता, एकता और दृढ़ता का जश्न मनाने के उद्देश्य से एक अंतर-विद्यालय सांस्कृतिक उत्सव चतिरंगाज के 12 वें संस्करण का आयोजन किया। तिरंगे 2022 का विषय "भारत-स्थिरता प्राप्त करने की ओर" था। टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित समारोह में शहर के 12 से अधिक स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

हम तिरंगा के 12वें संस्करण की मेजबानी करने के लिए बेहद उत्साहित हैं और हमें छात्रों और स्कूलों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। तिरंगा एक ऐसा मंच है जो हर साल बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक साथ लाता है और स्थिरता प्राप्त करने के लिए वैश्विक और स्थानीय समस्याओं को हल करने में उनके कौशल का उदाहरण देता है।

टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य श्री के मैक्सवेल मनोहर के अनुसार, "छात्रों को उनके आयु वर्ग के अनुसार गतिविधियों को सौंपा गया था। प्री-प्राइमरी 1 और प्री-प्राइमरी 2 के छात्रों ने एक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता "लाइफ अंडर वॉटर" में भाग लिया, ग्रेड 1 और 2 ने एक ड्राइंग में भाग लिया। अच्छा स्वास्थ्य और भलाई, प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करके आभूषण डिजाइन करना, ग्रेड 3 से 5 में पोस्टर बनाना – वैश्विक परिवर्तन का मुकाबला, भाषण और परियोजना प्रस्तुतियाँ जिसमें ग्रेड 6 से 12 और ग्रेड 9 से 12 वीं में जानवरों के प्रति क्रूरता को रोकने पर नुक्कड़ नाटक शामिल हैं। मॉडल बनाना था-सौर ऊर्जा और सतत जीवन की कला स्थापना।

गुजरात सरकार सभी समाज-वर्गों के सामूहिक उत्कर्ष के लिए कर्तव्यरत: मुख्यमंत्री

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि गुजरात की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'जो कहना, वह करना' और 'जो करना, वही कहना' ऐसी कार्यसंस्कृति अपनाई है। उन्होंने कहा कि झूठे वादे कर सत्ता हासिल करने की होड़ में लगे लोग कभी भी सच्चा विकास नहीं कर सकते। बुधवार को गांधीनगर में आयोजित धोबी समाज के स्नेहमिलन समारोह में उन्होंने यह बात कही। इस अवसर पर धोबी समाज के अग्रणियों ने मुख्यमंत्री का भावभीना अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार का वित्तीय प्रबंधन देश भर में अव्वल दर्जे का है। जरूरतमंदों को सहायता करने तथा गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए सरकार कभी पीछे नहीं हटी है और आगे भी नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि अब तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकारी योजनाओं के सेचुरेशन का विचार दिया है। योजनाओं का लाभ करोड़ों नागरिकों को घर बैठे मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार सभी समाज-वर्गों के सामूहिक उत्कर्ष के लिए कर्तव्यरत है। जहां, जिसे जैसी भी जरूरत होगी, वहां सरकार उसके साथ खड़ी है। लेकिन हमें रेवड़ी कल्चर में नहीं फंसना है। इस राह पर चलने वालों की हालत क्या हुई है, यह सभी लोग जानते हैं। पटेल ने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति के लिए शिक्षा बहुत ही आवश्यक है। परंपरागत व्यवसाय, धंधा-रोजगार में भी समयानुकूल बदलाव आवश्यक है और यह योग्य शिक्षा से ही आ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात में शिक्षा व्यवस्था बहुत ही अच्छी है। सेक्टोरल यूनिवर्सिटीज, प्रोफेशनल पाठ्यक्रम और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की गुजरात में कमी नहीं है। नतीजतन, राज्य में हजारों-लाखों की संख्या में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे अत्यधिक कुशल पेशेवर पढ़-लिखकर तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन के परिणामस्वरूप कोरोना महामारी में भी देश और गुजरात की अर्थव्यवस्था पर ब्रेक नहीं लगा है। विकास कार्य भी नहीं रुके हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी है। उन्होंने कहा कि गुजरात को अब डबल इंजन सरकार का लाभ मिल रहा है। ऐसे में प्रत्येक समाज को राज्य की विकास यात्रा से जुड़कर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' सूत्र को चरितार्थ करना चाहिए।

इस त्योहारी सीजन में 'ग्रैंड शॉपी मेला' के साथ स्टाइल में चलो

बेंगलुरू। भारत का हाइपर-वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट का शॉपी इस त्योहारी सीजन से पहले अपना पहला मेगा शॉपिंग कार्निवल 'ग्रैंड शॉपी मेला' लेकर आ रहा है। ये रोमांचक ऑफर 3 सितंबर, 2022 से उपलब्ध होंगे, जिसके लिए हमारे पास शॉपी का चेहरा सारा अली खान हैं, जो त्योहार से पहले के सौदों और प्रस्तावों को खोजने के लिए हर भारतीय दुकानदार की इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्लेटफ़ॉर्म पूरे वर्ष बिक्री के समान मूल्य प्रदान करता है, जिससे यह प्रत्येक भारतीय के लिए खरीदारी का गंतव्य बन जाता है जो आमतौर पर बिक्री की प्रतीक्षा करता है। हालांकि, च्ग्रैंड शॉपिंग मेलाज शोपी का सबसे बड़ा बिक्री कार्यक्रम है, जो भारत के उत्साह को संबोधित करेगा क्योंकि वे आगामी त्योहारी सीजन के दौरान खरीदारी के लिए तत्पर हैं। पहली बार, शॉपसी 150 से अधिक श्रेणियों में 150 मिलियन उत्पादों पर प्रत्येक ग्राहक को मूल्य वर्धित सौदों की पेशकश करेगा, जिसमें 15 रुपये की घड़ियाँ, 25 रुपये में साड़ी, रुपये में साड़ी शामिल हैं। 40, टी-शर्ट 30 रुपये और कई अन्य सामान।

आदर्श मेनन, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड- न्यू बिजनेस, फ्लिपकार्ट ने कहा, "हम ग्रैंड शॉपी मेला का पहला संस्करण लाकर और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए त्योहारी खरीदारी के अनुभव को बदल कर बेहद खुश हैं। Shopsy के आधे से अधिक ग्राहक ई-कॉमर्स में नए हैं और हमारे कुल ग्राहकों में से 65 प्रतिशत टियर टू और उससे आगे के प्रांतों से आते हैं, हमने सुनिश्चित किया है कि इस बिक्री कार्यक्रम में सभी के लिए कुछ न कुछ हो।

पहली बार, हमारे प्लेटफ़ॉर्म पर सभी विक्रेता उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न श्रेणियों में हमारे उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पर अविश्वसनीय ऑफ़र और सौदे लेकर आए हैं। हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहक इस त्योहारी सीजन में अपने पसंदीदा उत्पादों पर सौदे पाकर प्रसन्न होंगे।

Shopsy हाल ही में एक साल का हो गया है, और इस साल लॉन्च होने के बाद से अब तक 100 मिलियन उपयोगकर्ताओं को पार कर चुका है, इसे 2023 की अनुमानित समयरेखा से आगे हासिल कर रहा है। यह प्लेटफ़ॉर्म उपभोक्ताओं की गहरी अंतर्दृष्टि से प्रेरित है, जो ग्राहकों को उचित दरों पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पेश करता है, खासकर टियर टू+ शहरों में।

प्रियंका नगर-5, गोड़ादरा, सूरत

हाईलाइफ एक्ज़ीबीशन 9 और 10 सितंबर को मैरियट होटल, आठवालाइन्स, सूरत में आयोजित की जाएगी

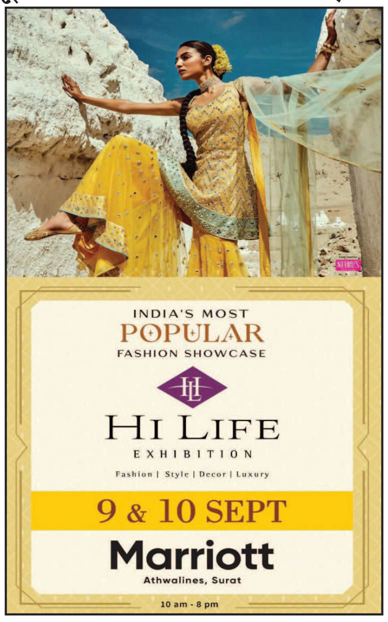

सूरत। सूरत में हाईलाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर धूम मचाने के लिए तैयार है। यहां आपको आकर्षक और डिजाइनर कलेक्शंस की खरीदारी का अनुभव होगा। हाईलाइफ प्रदर्शनी 9 और 10 सितंबर को मैरियट होटल, एथवालिन्स, सूरत में आयोजित की जाएगी। आओ, और बदलते फैशन कार्यक्रम का हिस्सा बनें।

हाईलाइफ प्रदर्शनी में आप अपनी पसंद और इच्छा की हर चीज की खरीदारी कर सकते हैं। ब्राइडल वियर, डिज़ाइनर अपैरल, ज्वैलरी, फ़ैशन एसेसरीज़ और होम एसेसरीज़ से लेकर फर्निशिंग कॉन्सेप्ट्स, आर्टिफैक्ट्स, डेकोर और अवांट-गार्डे आर्ट मुख्य आकर्षण हैं। यह त्योहारी सीजन हाईलाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर आपके खरीदारी के अनुभव को समृद्ध करने के लिए एक नया चलन शुरू करने के लिए तैयार है। हाईलाइफ प्रदर्शनी 9 और 10 सितंबर को मैरियट होटल, एथवालिन्स, सूरत में आयोजित की जाएगी। आओ, और बदलते फैशन कार्यक्रम का हिस्सा बनें।

नई ऑडी क्यू3 को अखिल भारतीय रोड शो के हिस्से के रूप में सूरत में प्रदर्शित किया जाएगा

सूरत । जर्मन लग्जरी कार निर्माता ऑडी अपने अखिल भारतीय रोड शो के हिस्से के रूप में सूरत में नई ऑडी क्यू3 का प्रदर्शन करेगी। कार को 09 और 10 सितंबर को ऑडी सूरत में जर्मन स्पेक शो में प्रदर्शित किया जाएगा। रोड शो ग्राहकों को डिलीवरी से पहले नई ऑडी क्यू3 देखने का मौका देगा।

ऑडी इंडिया के प्रमुख श्री बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, "हम भारत में नई ऑडी क्यू3 लाने के लिए बहुत उत्साहित और तैयार हैं। डिलीवरी से पहले हम ग्राहकों को नई ऑडी क्यू3 को करीब से दिखाना चाहते हैं। मुझे यकीन है कि संभावित ग्राहक, ब्रांड के प्रति उत्साही और ऑडी क्यू3 प्रेमी नई ऑडी क्यू3 को देखने के लिए उतने ही उत्साहित होंगे जितना हम इसे प्रदर्शित करने वाले हैं।"

ऑडी क्यू3 भारत में इस सेगमेंट में अग्रणी कार रही है और जल्द ही एक नए अवतार में वापसी करेगी। ऑरिजिनल ऑडी क्यू3 अपने समय का गेम चेंजर था और इसकी अपनी फैन फॉलोइंग है। नई ऑडी क्यू3 उन्नत डिजाइन, चिकने इंटीरियर, दमदार इंजन और ग्राहकों की इच्छा के अनुसार सभी आराम और सुविधा के साथ आगे बढ़ेगी।

ऑडी ग्रुप प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट में ऑटोमोबाइल और मोटरसाइकिल के सबसे सफल निर्माताओं में से एक है। अपने ब्रांड ऑडी, डुकाटी, लेम्बोर्गिनी और 1 जनवरी, 2022 को बेंटले के साथ, इसमें वोक्सवैगन समूह के भीतर प्रीमियम ब्रांड समूह शामिल है। इसके ब्रांड दुनिया भर के 100 से अधिक बाजारों में मौजूद हैं। ऑडी और उसके सहयोगी 13 देशों में 21 स्थानों पर ऑटोमोबाइल और मोटरसाइकिल का निर्माण करते हैं।

2021 में, ऑडी समूह ने ग्राहकों को लगभग 1.68 1 मिलियन ऑडी ब्रांड की कारें, 8,405 लेम्बोर्गिनी ब्रांड की स्पोर्ट्स कारें और 59,447 डुकाटी ब्रांड की मोटरसाइकिलें वितरित कीं। दुनिया भर में ऑडी समूह के लिए 85,000 से अधिक लोग काम करते हैं, जिनमें से लगभग 60,000 जर्मनी में हैं।

अपने रोमांचक ब्रांडों, नए मॉडलों, अभिनव गतिशीलता प्रसाद और अभूतपूर्व सेवाओं के साथ, प्रीमियम ब्रांड समूह व्यवस्थित रूप से स्थायी, व्यक्तिगत, प्रीमियम गतिशीलता प्रदाता बनने की दिशा में अपने पथ का अनुसरण कर रहा है।

डेटॉल ने अपनी डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया पहल के तहत लॉन्च किया

दुनिया की अग्रणी कंज्यूमर हेल्थ एवं हाइजीन कंपनी रेकिट ने अपने फ्लैगशिप कैम्पेन डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के तहत आज भारत का पहला और सबसे बड़ा हाइजीन ओलंपियाड - डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड लॉन्च किया है। बेहतर हाइजीन एक अच्छे स्वास्थ्य की नींव होती है, इसी सिद्धान्त पर आधारित, इस ओलंपियाड में 2 करोड़ 40 लाख बच्चे शामिल होंगे। यह ओलंपियाड इन बच्चों को हाइजीन से जुड़ी अपनी रीजनिंग, एनालिटिकल एवं प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करेगा, इसी के साथ ही रोजमर्रा की हाइजीन से जुड़ी आदतों को उनके जीवन का हिस्सा बनाएगा। डेटॉल स्कूल हाइजीन करिकुलम को विस्तार देते हुए, यह पहल साफ सफाई से जुड़ी कमियों को दूर करने की रेकिट की प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करेगी। भारत को एक सेहतमंद देश बनाने के लिए साफ सफाई से जुड़ी इन कमियों को दूर करना बेहद जरूरी है।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया द्वारा संचालित, ओलंपियाड को डेटॉल स्कूल हाइजीन प्रोग्राम के आउटरीच पार्टनर्स - प्लान इंडिया, सेसम वर्कशॉप इंडिया, ग्रामालय अपोलो फाउंडेशन, अमर ज्योति युवक संघ, MAMTA HIMC, बालीपारा फाउंडेशन, जागरण एवं ग्लोबल इंटरफेथ वॉश एलायंस (जीआईडब्ल्यूए) का समर्थन प्राप्त है। इसी के साथ ही अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी (ईवाई) इस ओलंपियाड के तकनीकी पार्टनर हैं, वहीं इंडियन टैलेंट ओलंपियाड ने इसे क्यूरेट किया है। यह ओलंपियाड 5 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए है। इस ओलंपियाड का अनुभव छात्रों को यह सीखने में मदद करेगा कि हाइजीन, स्वास्थ्य और अपनों की सुरक्षा किस तरह आपस में एक दूसरे पर निर्भर हैं।

2021 में डेटॉल हाइजीन स्कूल प्रोग्राम के एक स्वतंत्र मूल्यांकन में यह सामने आया कि इस प्रोग्राम के चलते स्कूल में छात्रों की अनुपस्थिति में 57 प्रति की कमी आई है। जबकि 2020 में अनुपस्थिति की संख्या में 39 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। इसके अलावा, बच्चों में हाथ धोने की जानकारी 61 प्रतिशत बढ़ी है और उनकी साफ सफाई से जुड़ी आदतों में 62 प्रतिशत का सुधार हुआ है। डेटॉल हाइजीन ओलंपियाड माता-पिता, शिक्षकों और बच्चों के बीच हाइजीन से जुड़ी समझ की कमी को दूर करने के लिए जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा और हाथ धोने की आदतों को और बेहतर बनाने की दिशा में काम करेगा। इसके साथ ही यह ओलंपियाड स्कूल में छात्रों की अनुपस्थिति को और कम करने और सफाई से जुड़ी आदतों को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)